प्रसारित - आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद, अलीगढ़, हाथरस, कासगंज, एटा, मैनपुरी, बुलंदशहर, गाजियाबाद, लखनऊ, कानपुर

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

साप्ताहिक

मोर्निंग सिटी

सच के साथ...

वर्ष - 11, अंक - 12, 31 मई से 06 जून, 2026 | मूल्य- 10 रुपये । पृष्ठ 8 | WWW :morningcity.in

यूपी का सर्वश्रेष्ठ न्यूज प्लेटफॉर्म

मोर्निंग सिटी

राबड़ी के बंगले में घुसी पुलिस! वे बोलीं- नहीं खाली करेंगे

एजेंसी ▶▶| पटना

बिहार के पटना के '10 सर्कुलर रोड' बंगले को खाली कराने के सरकारी आदेश के बाद प्रशासनिक हलचल बेहद तेज हो गई है। सचिवालय एसडीपीओ अनु कुमारी भारी पुलिस बल के साथ राबड़ी आवास पहुंचीं. उनके साथ पटना के एडीएम (लॉ एंड ऑर्डर) भी मौजूद थे। दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने बंगले के भीतर जाकर बिहार विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी से काफी देर तक बातचीत की। अधिकारियों ने उन्हें भवन निर्माण विभाग की तरफ से जारी नोटिस और आवास खाली करने के कानूनी आदेशों की विस्तार से जानकारी दी।

भारी दलबल के साथ पहुंचे एडीएम और एसडीपीओ

'जितनी फोर्स बुलानी है बुला लें'

अपने पोते इराज का जन्मदिन मनाकर दिल्ली से पटना एयरपोर्ट लौटीं राबड़ी देवी का गुस्सा पत्रकारों के सवालों पर फूट पड़ा. उन्होंने बिहार सरकार और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को सीधे तौर पर खुली चुनौती दे दी। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी ने कहा, 'सम्राट चौधरी जितना भी फोर्स बुलाकर मकान खाली करवाना चाहें, मैं मकान नहीं खाली करूंगी। हम किसी भी कीमत पर अपना आवास खाली नहीं करेंगे।'

अफगानिस्तान में बड़ा सड़क हादसा, 22 शरणार्थियों की मौत

एजेंसी ▶▶| काबुल

पूर्वी अफगानिस्तान में शनिवार को पड़ोसी देश पाकिस्तान से लौट रहे अफगान शरणार्थियों से भरा एक ट्रक राजमार्ग पर पलट गया जिससे कम से कम 22 लोगों की जान चली गई और 36 अन्य घायल हो गए। हताहतों में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रांतीय गवर्नर के प्रवक्ता अब्दुल मलिक नियाज़ई ने बताया कि यह दुर्घटना लग़मान प्रांत में उस मुख्य राजमार्ग पर हुई, जो राजधानी काबुल को नंगरहार प्रांत से जोड़ता है। उन्होंने बताया कि मृतकों में 10 बच्चे और पांच महिलाएं शामिल हैं और घायलों को इलाज के लिए नंगरहार के अस्पतालों में ले जाया गया है।

मृतकों में 10 बच्चे और पांच महिलाएं शामिल

खस्ताहाल हैं सड़कें

अफगानिस्तान में सड़क दुर्घटनाएं आम हैं, जहां सड़कें खस्ताहाल हैं और चालक अक्सर यातायात नियमों की अनदेखी करते हैं। शनिवार को राज्यपाल कार्यालय ने बताया कि पूर्वी प्रांत नूरिस्तान में एक अलग दुर्घटना में, शुक्रवार रात एक कार सड़क से फिसलकर नदी में गिर गई, जिससे चालक घायल हो गया और चार यात्री लापता हो गए। कार्यालय ने बताया कि बचाव दल चारों की तलाश कर रहे थे।

ओमान और ईरान के बीच मौजूद है यह संकरा जलमार्ग

होर्मुज से 13 जहाजों को निकालने भारत ने शुरू किया सीक्रेट ऑपरेशन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच 28 फरवरी को शुरू हुए युद्ध के बाद से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया के सबसे संवेदनशील और क्रिटिकल समुद्री रास्तों में से एक बन गया है। 9 अप्रैल को सीजफायर लागू होने के बावजूद, इस रास्ते पर जहाजों की आवाजाही अब भी काफी हद तक बंद है। ऊर्जा बाजारों में मची इस उथल-पुथल और भारी संकट के बीच, भारत अपने फंसे 13 जहाजों को वहां से सुरक्षित निकालने के लिए एक खास 'सीक्रेट' रणनीति पर काम कर रहा है।

ओमान और ईरान के बीच मौजूद इस संकरे मार्ग से दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल और प्राकृतिक गैस की सप्लाई होती है। बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के शिपिंग निदेशक ओपेश कुमार शर्मा ने एक हालिया ब्रीफिंग में बताया कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज क्षेत्र में फिलहाल 13 भारतीय जहाज मौजूद हैं।

इनमें एक एलपीजी टैंकर, पांच कच्चे तेल के टैंकर, एक केमिकल टैंकर, तीन कंटेनर जहाज, दो बल्क कैरियर और एक ड्रेजर शामिल हैं। भारत सरकार की प्राथमिकता इन सभी जहाजों को सुरक्षित बाहर निकालने की है।

क्या है सरकार की सीक्रेट रणनीति?

जब मंत्रालय के अधिकारी से पूछा गया कि भारत सरकार ईरान के साथ किस तरह तालमेल बिठा रही है, तो उन्होंने स्पष्ट कारणों से इसकी पूरी प्रक्रिया बताने से इनकार कर दिया। ऐसा माना जा रहा है कि भारत किसी सीक्रेट प्लान के तहत अपने जहाजों को निकाल रहा है। ओपेश कुमार शर्मा ने बताया कि पूरा समन्वय विदेश मंत्रालय (**MEA**) के जरिए हो रहा है। कौन सा जहाज पहले निकलेगा, इसकी प्राथमिकता पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय (**MOPNG**) और उर्वरक मंत्रालय के साथ मिलकर तय की जा रही है। इसी के आधार पर जहाजों को सुरक्षित निकालने का काम किया जा रहा है।

ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच जंग के चलते छाया है वैश्विक संकट

दुनिया के 20 प्रतिशत तेल-प्राकृतिक गैस की सप्लाई होती है यहां से

पब्लिक शिप ट्रैकिंग डेटा

पब्लिक डोमेन में मौजूद शिप ट्रैकिंग डेटा से जहाजों की सुरक्षा को होने वाले खतरे के सवाल पर अधिकारी ने कहा कि ये कमर्शियल ऐप्स हैं, जिनका कोई भी सब्सक्रिप्शन ले सकता है। सार्वजनिक रूप से मौजूद डेटा का इस्तेमाल कैसे होगा, यह इस्तेमाल करने वाले की नीयत पर निर्भर करता है। हालांकि, अधिकारी ने स्पष्ट किया कि फिलहाल यह डेटा सरकार को जहाजों को ट्रैक करने में मदद ही कर रहा है।

14 जहाज आ चुके हैं भारत

सरकार के इस समन्वित प्रयास का असर भी दिखने लगा है। ताजा अपडेट्स के मुताबिक, 25-26 मई की रात करीब 2,70,000 मीट्रिक टन कच्चा तेल लेकर आ रहा 'निसोस केरोस' नामक क्रूड ऑयल टैंकर सफलतापूर्वक स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को पार कर गया। इसके 3 जून 2026 तक विशाखापत्तनम पहुंचने की उम्मीद है। विदेश मंत्रालय ने भी पुष्टि की है कि 14 जहाज होर्मुज को सुरक्षित पार करके भारत पहुंच चुके हैं, जबकि 13 जहाज अभी भी फारस की खाड़ी क्षेत्र में हैं।

भारत का समुद्री व्यापार

गौरतलब है कि 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल के हमलों के बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई में जहाजों को निशाना बनाना शुरू कर दिया था। ईरान की भौगोलिक स्थिति इस स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर उसे एक बड़ी सामरिक बढ़त देती है। इसी डर से दुनिया की कई बड़ी शिपिंग कंपनियों ने इस रूट से जहाजों की आवाजाही पूरी तरह रोक दी है। इसके बावजूद भारत ने इस रूट से अपना समुद्री व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति जारी रखी है। खतरे के बावजूद 'शिवालिक', 'नंदा देवी', 'जग लाडकी', 'पाइन गैस', 'जग वसंत', 'बीडब्ल्यू टायर' और 'ग्रीन सान्वी' जैसे कई भारतीय जहाजों ने इस तनावपूर्ण जलमार्ग को पार किया है।

आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़ आईएसआई के 9 एजेंट दबोचे

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

राजधानी नई दिल्ली में पुलिस की स्पेशल सेल को एक बड़ी कामयाबी मिली है। टीम ने राजधानी को दहलाने की साजिश को नाकाम कर दिया है। शनिवार (30 मई, 2026) को किए गए इस ऑपरेशन में 9 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, यह सभी पाकिस्तान समर्थित नेटवर्क और मुंबई के अंडरवर्ल्ड से जुड़े थे और दिल्ली में सुरक्षाबलों और संवेदनशील जगहों को निशाना बनाने की तैयारी में थे। जांच में पता चला है कि आरोपियों का मकसद दिल्ली की कई अहम और संवेदनशील जगहों पर हमला करना था।

दिल्ली में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी

अपने हैंडलर्स के संपर्क में थे आतंकी

रिपोर्ट के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए लोग कथित तौर पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के संपर्क में थे। बताया जा रहा है कि इन्हें अलग-अलग टारगेट्स पर हमला करने की जिम्मेदारी दी गई थी और ये लोग नियमित रूप से अपने हैंडलर्स के संपर्क में थे। जांच में यह भी सामने आया है कि यह मॉड्यूल सिर्फ दिल्ली ही नहीं, बल्कि इसके तार देश के अन्य हिस्सों से भी जुड़े हो सकते हैं।

केरलम, कर्नाटक, तमिलनाडु में 19 जगहों पर एनआईए की छापेमारी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार को तीन राज्यों में 19 ठिकानों पर ताबड़तोड़ तलाशी अभियान चलाया। एनआईए की यह कार्रवाई केरल के मलप्पुरम जिले से अवैध विस्फोटकों की बरामदगी से जुड़ी जांच के सिलसिले में की गई है। जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय जांच एजेंसी केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु में 19 स्थानों पर तलाशी अभियान चला रही है। एनआईए ने केरल के तिरुआरंगडी में विस्फोटक सामग्री से भरे ट्रक की जांच के मामले में मलप्पुरम जिले में दो स्थानों पर छापेमारी की।

अवैध विस्फोटक मामले में चलाया तलाशी अभियान

इसलिए चलाया गया अभियान

एनआई की यह कार्रवाई तिरुआरंगडी के पास विस्फोटक बरामदगी की चल रही जांच के मद्देनजर ये तलाशी अभियान चलाए जा रहे हैं। एनआईए ने कहा, 'हमने इस घटना के संबंध में विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत एक मामला दर्ज किया है। जांच का उद्देश्य विस्फोटकों के अवैध परिवहन और इसमें शामिल लोगों के इरादों के बारे में जानकारी का पता लगाना है। आरोपियों के स्वामित्व वाली फर्मों के अलावा, संदिग्ध व्यक्तियों से जुड़े प्रतिष्ठानों पर भी जांच की जा रही है।

ट्रंप प्रशासन का यू-टर्न, लाखों भारतीयों को बड़ी राहत

ग्रीन कार्ड... अमेरिका छोड़ने की अब नहीं होगी आवश्यकता

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

अमेरिका में ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन करने वाले लाखों प्रवासियों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। ट्रंप प्रशासन ने यू-टर्न लेते हुए कहा है कि अधिकांश आवेदकों को अमेरिका छोड़ने की आवश्यकता नहीं होगी।

स फैसले से अमेरिका में स्थायी निवासी बनने का सपना देख रहे लाखों भारतीयों सहित विदेशी नागरिकों को बड़ी राहत मिली है। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) ने हाल ही में जारी उस निर्देश पर सफाई दी है, जिससे ग्रीन कार्ड आवेदकों, कंपनियों और इमिग्रेशन विशेषज्ञों के बीच चिंता बढ़ गई थी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अधिकांश ग्रीन कार्ड आवेदकों को उनकी स्थायी निवास की अर्जी पर फैसला होने तक अमेरिका छोड़ने की जरूरत नहीं होगी।

हजारों छात्रों, पेशेवरों में बन गई थी उलझन की स्थिति

ऐसे शुरू हुआ विवाद

विवाद तब शुरू हुआ जब यूएससीआईएस के प्रवक्ता जैक कहलर ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सख्त इमिग्रेशन पॉलिसी के संदर्भ में कहा था कि अब अस्थायी वीजा पर अमेरिका में मौजूद लोगों को ग्रीन कार्ड अप्लाई करने के लिए अपने देश वापस लौटना होगा, जब तक कि उनके मामले में कोई विशेष परिस्थिति न हो।

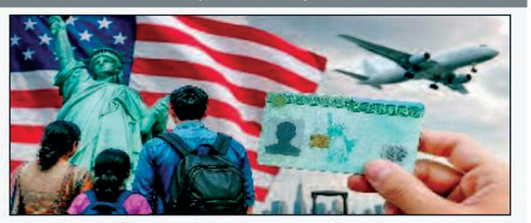

मूल देश लौटने की जरूरत नहीं

दरअसल, एक सप्ताह पहले अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) के एक बयान ने प्रवासी समुदाय में हलचल मचा दी थी। बयान में संकेत दिया गया था कि स्थायी निवास की मांग करने वाले लोगों को अपनी अर्जी पर फैसला होने तक अपने मूल देश लौटना पड़ सकता है, सिवाय कुछ असाधारण परिस्थितियों के इस बयान के बाद अमेरिका में रह रहे हजारों विदेशी छात्रों, पेशेवरों और ग्रीन कार्ड के इंतजार में बैठे लोगों के बीच डर और उलझन की स्थिति बन गई थी।

भारतीयों पर पड़ने वाला था सबसे ज्यादा असर

इस मुद्दे का सबसे ज्यादा असर भारतीय समुदाय पर पड़ने की आशंका जताई जा रही थी। इसकी वजह यह है कि अमेरिका में जारी होने वाले कुल एच-**1B** वीजा में करीब 70 प्रतिशत भारतीयों को मिलते हैं। बड़ी संख्या में भारतीय पेशेवर एच-**1B** वीजा पर अमेरिका में काम करते हैं और बाद में ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन करते हैं। इसके अलावा **F**-1 छात्र वीजा और टूरिस्ट वीजा धारकों में भी चिंता फैल गई थी। उन्हें डर था कि यदि उनका ग्रीन कार्ड आवेदन लंबित है तो उन्हें अमेरिका छोड़ने के लिए मजबूर किया जा सकता है।

हिन्दी पत्रकारिता द्विशताब्दी पर जारी हुआ स्मारक डाक टिकट

पत्रकारिता का इतिहास, भारत का भी इतिहास : सिंधिया

नई दिल्ली

हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूरे होने पर भारत सरकार ने हिन्दी के पहले समाचार पत्र 'उदन्त मार्त्तण्ड' और उसके सम्पादक युगल किशोर शुक्ल के सम्मान में एक स्मृति डाक टिकट और प्रथम दिवस आवरण जारी किया। संस्कृति मंत्रालय के स्वायत्त संस्थान इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) तथा माधवराव सप्रे स्मृति समाचारपत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान, भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में यहां आईजीएनसीए सभागार में आयोजित कार्यक्रम में 'हिन्दी पत्रकारिता के 200 साल की महागाथा' ग्रंथ का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुभकामना संदेश भेजा, जिसे आईजीएनसीए के अध्यक्ष 'पद्म भूषण' रामबहादुर राय ने पढ़कर सुनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा, यह अतिश्योक्ति नहीं होगी, अगर हम कहें कि पत्रकारिता के इतिहास की गाथा भारत के इतिहास की भी गाथा है।

'महागाथा का विमोचन'

आयोजन में 'हिन्दी पत्रकारिता : 200 साल की महागाथा' का विमोचन भी हुआ। 'पद्म श्री' विजयदत्त श्रीधर और डॉ. सच्चिदानंद जोशी द्वारा संपादित यह ग्रंथ हिन्दी पत्रकारिता की दो शताब्दियों की व्यापक यात्रा का दस्तावेज है। कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए विजयदत्त श्रीधर ने कहा, हिन्दी पत्रकारिता की 200 वर्ष की यात्रा प्रतिरोध की यात्रा है। डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने कहा, पत्रकारिता के सामने कई चुनौतियां हैं। माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति अच्युतानंद मिश्र ने दद्दा माखनलाल चतुर्वेदी और गणेश शंकर विद्यार्थी के समय की पत्रकारिता को याद किया। कार्यक्रम में भारतीय जनसंचार संस्थान (आईआईएमसी) की कुलपति डॉ. प्रज्ञा पालीवाल, प्रो. प्रमोद कुमार, आईजीएनसीए के मीडिया सेंटर के प्रमुख अनुराग पुनेठा आदि उपस्थित थे।

यूपी: लखनऊ में बनी देश की पहली नौसेना शौर्य वाटिका, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के साथ सीएम रहे मौजूद

लखनऊ

राजधानी को देश की पहली नौसेना शौर्य वाटिका की सौगात मिली। गोमतीनगर विस्तार में 19 करोड़ की लागत से दो एकड़ से अधिक क्षेत्र में विकसित इस वाटिका का शनिवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि वाटिका युवाओं को जीवन में चुनौतियों से जूझने की प्रेरणा देगी। यहां आने वालों को भारतीय नौसेना के बारे में जानकारी मिलेगी। हमारे सैनिक किन सम-विषम परिस्थितियों में कार्य करते हैं, यह भी जानने का अवसर मिलेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नौसेना का लक्ष्य उसकी विराट सोच का प्रतीक है। आकाश की ऊंचाइयां छूने के लिए बड़ी सोच चाहिए। जब सोच बड़ी होती है तो सकारात्मक परिणाम आता है, जो युवाओं को नई प्रेरणा प्रदान करता है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि नौसेना शौर्य वाटिका केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि एक जीवंत प्रेरणा केंद्र है। यह आने वाली पीढ़ियों को बताएगी कि देश की स्वतंत्रता और सुरक्षा की वास्तविक कीमत क्या होती है। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने कहा कि शौर्य वाटिका में उत्तर प्रदेश डिफेंस कॉरिडोर, युद्धक विमान और ब्रह्मोस मिसाइल जैसी महत्वपूर्ण उपलब्धियों की जानकारी भी प्रदर्शित की गई है।

वाटिका में एके 726 नौसैनिक तोप और समुद्री गश्ती विमान हैं। दर्शक इस विमान की सवारी भी कर सकेंगे। सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों के लिए जेड आईएफ 101 प्रक्षेपक है। सतह से सतह पर मार करने वाली पोत-रोधी मिसाइलें भी हैं। जहाज का रडार, टॉरपीडो प्रक्षेपक और लंगर भी यहां मौजूद हैं। यहां यादगार वस्तुओं के अलावा एक भोजनालय और दुकानें भी शामिल हैं। आधुनिक प्रकाश व्यवस्था और ध्वनि प्रणाली भी है।

योगी, रक्षामंत्री के साथ युद्धपोत के अंदर गए

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में शनिवार को सीएम योगी की तारीफ की। उन्होंने कहा- यूपी कभी वन डिस्ट्रिक्ट, वन माफिया के नाम से जाना जाता था। इन्वेस्टर्स यहां आने से डरते थे। लेकिन अब यूपी बदल चुका है। सीएम योगी ने यहां के बिगड़े हुए लॉ एंड ऑर्डर को जिस तरह संभाला, वह अपने आप में मिसाल है। सीएम ने यूपी की छवि वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट के रूप में पेश की। रक्षामंत्री ने नौसेना शौर्य वाटिका का उद्घाटन किया। वे सीएम योगी के साथ रिटायर्ड युद्धपोत व्हर गोमती के अंदर गए और अफसरों से युद्धपोत के बारे में जानकारी ली। व्हर गोमती को वाटिका में रखा गया है। यह युद्धपोत 35 साल की सेवा के बाद 28 मई 2022 को नौसेना से रिटायर हुआ था। सीएम योगी ने कहा- याद कीजिए 2017 से पहले इसी उत्तर प्रदेश में हर रोज कर्फ्यू लगता था। पेशेवर माफिया और अपराधियों ने जीना हराम कर दिया था। सामने वाला यदि देश के लिए खतरा है, तो उसके साथ अहिंसा नहीं, बल्कि उसे उसी भाषा में जवाब देने के लिए हिंसा का रास्ता अपनाना चाहिए। पर्यटन विभाग ने नौसेना की मदद से यह वाटिका विकसित की है, जो लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम के गेट नंबर-5 के पास स्थित है। वाटिका 2 एकड़ क्षेत्र में बनी है। करीब 19 करोड़ रुपए की लागत आई है। इसे बनने में 4 साल लगे हैं। पर्यटन विभाग के अनुसार, वाटिका में व्हर गोमती के साथ कुछ जहाजों के पार्ट्स और हथियार रखे गए हैं। इनमें अड-726 मीडियम रेंज गन, उएळ-53ट टॉरपीडो डिकॉय सिस्टम, जिफ-101 लॉन्चर, कैपस्टन ड्रम और जहाज का बड़ा प्रोपेलर (पंखा) शामिल हैं। व्हर गोमती को नौसेना से रिटायर किया जा चुका है। इनके जरिए लोगों को भारतीय नौसेना की तकनीकी ताकत और युद्ध क्षमता के बारे में जानकारी मिलेगी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा- हर क्षेत्र में यूपी अब अप (UP) कर रहा है। यानी आगे बढ़ रहा है। हम सभी इस वाटिका को आप सभी लोगों को समर्पित कर रहे हैं। आप लोग यहां अपने परिवार और बच्चों के साथ आइए। यहां घूमिए और जानिए कि नौसैनिकों की ड्रेस कपड़ा नहीं, बल्कि एक कर्तव्य है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने बताया- नौसेना शौर्य वाटिका में लगाए गए सारे युद्धपोत और हथियार एकदम ओरिजिनल हैं। यह पार्क कोई साधारण पार्क स्थल नहीं है। यह हमारे लिए प्रेरणा है। रिकॉर्ड समय में इस वाटिका को तैयार कराने के लिए सीएम योगी का मैं धन्यवाद करता हूं। नौसेना शौर्य वाटिका का लखनऊ का क्या संबंध है- इसका जवाब इतिहास और भगोल में छिपा हुआ है। लखनऊ में गोमती नदी के नाम आईएनएस गोमती युद्ध पोत हमारी नौसेना में जहाज मौजूद है।

गोमती नदी के नाम पर हमारे लखनऊ का छत्तर मंजिल से संबंध है। राजनाथ सिंह ने कहा- यूपी वन डिस्ट्रिक्ट, वन माफिया के नाम से जाना जाता था। अब यूपी बदल चुका है। सीएम योगी की कोई सानी नहीं। उन्होंने यहां के बिगड़े हुए लॉ एंड ऑर्डर को जिस तरह से संभाला, वह काबिले तारीफ है। सीएम योगी ने यूपी की छवि को वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट के रूप में पेश की। पहले यहां आने से इन्वेस्टर्स डरते थे।

सम्पादकीय

सेना के सहारे परीक्षा: 22 लाख सपनों के बीच व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल

एक तरह से यह स्वीकार कर लिया गया है कि सरकार का मौजूदा तंत्र इस परीक्षा का स्वच्छ तरीके से संचालन कर पाने में सक्षम नहीं है और इसीलिए सेना के सहारे नीट-यूजी परीक्षा की शुचिता सुनिश्चित करने की कोशिश की जाएगी। किसी भी परीक्षा के दौरान अगर प्रश्नपत्र लीक होता है या अन्य कोई गड़बड़ी होती है, तो इसका मतलब यही है कि उसके संचालन से जुड़ा तंत्र परीक्षा की शुचिता को सुनिश्चित कराने में नाकाम रहा। हाल ही में प्रश्नपत्र लीक होने के बाद नीट-यूजी परीक्षा को जिस तरह रद्द किया गया, उससे साफ है कि पहले हुई ऐसी कई घटनाओं के बावजूद आयोजन में हर हाल में शुचिता तय करने को लेकर राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी यानी एनटीए ने जरूरी सबक नहीं सीखा। नतीजतन, नीट की परीक्षा के प्रश्नपत्र फिर अवैध रूप से बाहर हुए और ऊंची कीमतों पर बेचे गए। विडंबना यह है कि इस भ्रष्ट लेन-देन और इसके जरिए परीक्षा में कामयाब होने की कोशिश करने वाले कुछ लोगों की करतूतों का खमियाजा करीब बाईस लाख उन विद्यार्थियों को उठाना पड़ा, जिन्होंने ईमानदारी से अपनी मेहनत के बूते परीक्षा दी थी। ऐसे विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों की पीड़ा प्रश्नपत्र लीक करने और उसका फायदा उठाने वाले गिरोहों की हरकत के खुलासे से उपजे शोर में दब कर रह गई। विचित्र है कि इस घटना की परतें खुलने के बाद शीर्ष स्तर पर इसकी जिम्मेदारी तय करने तथा संचालन के तंत्र में पाई गई खामी को पूरी तरह दुरुस्त करने या इस मसले पर अधिकतम सख्ती बरतने के बजाय सुरक्षित तरीके से परीक्षा कराने के लिए अब सेना का सहारा लेने की खबर आई है। यानी एक तरह से यह स्वीकार कर लिया गया है कि सरकार का मौजूदा तंत्र इस परीक्षा का स्वच्छ तरीके से संचालन कर पाने में सक्षम नहीं है और इसीलिए सेना के सहारे नीट-यूजी परीक्षा की शुचिता सुनिश्चित करने की कोशिश की जाएगी। गौरतलब है कि नीट परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने से जुड़े मामले में पूरी प्रक्रिया की समीक्षा के लिए हुई बैठक में प्रश्नपत्र तैयार करने और उनकी छपाई से लेकर परिवहन, सुरक्षा और परीक्षा केंद्र तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करने के सभी पहलुओं पर विचार किया गया। इसके बाद अब 21 जून को दोबारा होने वाली नीट परीक्षा में प्रश्नपत्रों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने के लिए वायुसेना की मदद लेने पर सहमति बनी। अगर यह प्रस्ताव अमल में आता है, तो किसी राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा के आयोजन और संचालन में सेना के औपचारिक रूप से शामिल होने का यह पहला मौका होगा। सवाल है कि इससे पहले नीट या अन्य परीक्षाओं में हुई गड़बड़ियों का उदाहरण सामने होने के बावजूद यह स्थिति आखिर क्यों पैदा हुई कि सरकार को परीक्षा के स्वच्छ संचालन के लिए अपने तंत्र और पुलिस पर भरोसा नहीं रहा। हालांकि खबरों के मुताबिक सेना की भूमिका केवल लॉजिस्टिक समन्वय, आपातकालीन स्थितियां पैदा होने या मौसम में तेज उतार-चढ़ाव के बीच सुरक्षित परिवहन तक सीमित रहने की बात कही गई है और परीक्षा की निगरानी सेना से नहीं कराई जाएगी। मगर यह देखने की बात होगी कि सेना की मदद का दायरा क्या होता है। आमतौर पर किसी प्राकृतिक आपदा से हुई तबाही और अन्य आपात स्थितियों में युद्ध स्तर पर बचाव कार्य आदि के लिए जरूरत पड़ने पर सरकार सेना या सशस्त्र बलों को तैनात करती रही है। यह एक अफसोसनाक स्थिति है कि आज के दौर में परीक्षाओं के संचालन के मामले में पहले के मुकाबले बेहतर संसाधनों, हर स्तर पर निगरानी की तकनीकी सुविधा और व्यापक डिजिटल तंत्र के बावजूद प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाएं हो रही हैं और इसे रोकने के लिए सरकार के सामने सेना की मदद लेने की नौबत है।

सुशील कुमार सिंह प्रधान संपादक

माता-पिता हैं वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा

विश्व माता-पिता दिवस-1 जून, 2026

आलोक सोलंकी

अधिकांश देशों में सदियों से माता-पिता का सम्मान करने की परंपरा रही है। माता-पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार हैं। जीवन में कोई भी माता-पिता की जगह नहीं ले सकता। वे सच्चे शुभचिंतक हैं। लेकिन मानव इतिहास में कभी भी परिवार और माता-पिता की भूमिका इतनी चुनौतीपूर्ण नहीं रही, जितनी आज है। तकनीकी क्रांति ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन मानवीय संबंधों को नई परीक्षाओं के सामने भी खड़ा कर दिया है। मोबाइल, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस युग में बच्चों की दुनिया तेजी से बदल रही है।

विश्व के अधिकतर देशों की संस्कृति में माता-पिता का रिश्ता सबसे बड़ा एवं प्रगाढ़ माना गया है। भारत में तो इन्हें ईश्वर का रूप माना गया है। माता-पिता को उनके बच्चों के लिए किए गए उनके काम, बच्चों के प्रति उनकी निस्वार्थ प्रतिबद्धता और इस रिश्ते को पोषित करने के लिए उनके आजीवन त्याग के लिए सम्मान और सराहना देने के लिए प्रतिवर्ष विश्व माता-पिता (अभिभावक) दिवस 1 जून को मनाया जाता है। यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का पालन दिवस है। यह दिन हमें उस महान शक्ति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का भी अवसर देता है, जिसके कारण मानव जीवन का अस्तित्व, विकास और संस्कार संभव हो पाते हैं। वर्ष 2026 की थीम माता-पिता के लिए एक साथ एक अत्यंत महत्वपूर्ण संदेश लेकर आई है। यह केवल माता-पिता के सम्मान का आह्वान नहीं करती, बल्कि पूरे समाज, समुदायों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारों को यह प्रेरणा देती है कि वे माता-पिता की भूमिका को समझें, उनके साथ खड़े हों और उनके दायित्वों को निभाने में सहयोग करें। अधिकांश देशों में सदियों से माता-पिता का सम्मान करने की परंपरा रही है। माता-पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार हैं। जीवन में कोई भी माता-पिता की जगह नहीं ले सकता। वे सच्चे शुभचिंतक हैं। लेकिन मानव इतिहास में कभी भी परिवार और माता-पिता की भूमिका इतनी चुनौतीपूर्ण नहीं रही, जितनी आज है। तकनीकी क्रांति ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन मानवीय संबंधों को नई परीक्षाओं के सामने भी खड़ा कर दिया है। मोबाइल, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस युग में बच्चों की दुनिया तेजी से बदल रही है। ज्ञान के स्रोत घर और विद्यालय से निकलकर डिजिटल मंचों तक पहुंच गए हैं। ऐसे समय में माता-पिता की भूमिका केवल पालन-पोषण तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि वे बच्चों के भावनात्मक संतुलन, नैतिक विकास, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक चेतना के प्रमुख संरक्षक बन गए हैं। वे केवल जीवन देने वाले नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाले हैं। दुनिया के हर समाज में माता-पिता को सम्मान दिया जाता है, लेकिन भारतीय संस्कृति ने उन्हें विशेष रूप से देवत्व का स्थान प्रदान किया है। हमारे उपनिषदों का उद्घोष मातृ देवो भवः, पितृ देवो भवः- मानव सभ्यता के श्रेष्ठतम जीवन मूल्यों में से एक है। मां अपने वात्सल्य, करुणा, त्याग और ममता से जीवन को सींचती है, जबकि पिता अपने परिश्रम, अनुशासन, संरक्षण और संघर्ष से भविष्य की मजबूत नींव रखता है। इसी कारण भारतीय परिवार व्यवस्था सदियों तक विश्व के लिए आदर्श बनी रही है।

हमारे इतिहास और पुराणों में ऐसे अनेक प्रसंग हैं जो माता-पिता के सम्मान और सेवा की प्रेरणा देते हैं। श्रवण कुमार की कथा केवल एक पुत्र की कहानी नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है। अपने वृद्ध और दृष्टिहीन माता-पिता को कंधों पर बैठाकर तीर्थयात्रा कराने वाले श्रवण कुमार ने यह सिद्ध किया कि माता-पिता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है। भगवान श्रीराम ने पिता दशरथ के वचन की रक्षा के लिए राज्य, वैभव और सुखों का त्याग कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल आज्ञापालन नहीं था, बल्कि माता-पिता के सम्मान को सर्वोच्च मानने का संदेश था। महाभारत, रामायण और जैन तथा बौद्ध साहित्य में भी माता-पिता के प्रति श्रद्धा को जीवन का सर्वोच्च मूल्य माना गया है। भगवान के रूप में माता-पिता हमारे लिये एक सौगात हैं जिनकी हमें सेवा करनी चाहिए और कभी उनका दिल नहीं तोडना चाहिए। एक बच्चे को बड़ा और सभ्य बनाने में उसके पिता का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। मां का रिश्ता सबसे गहरा एवं पवित्र माना गया है, लेकिन बच्चे को जब कोई खरोंच लग जाती है तो जितना दर्द एक मां महसूस करती है, वही दर्द एक पिता भी महसूस करते हैं। पिता कठोर इसलिये होते हैं ताकि बेटा उन्हें देख कर जीवन की समस्याओं से लड़ने का पाठ सीखे, सख्त एवं निडर बनकर जिंदगी की तकलीफों का सामना करने में सक्षम हो। माँ ममता का सागर है पर पिता उसका किनारा है। माँ से ही बनता घर है पर पिता घर का सहारा है। माँ से स्वर्ग है माँ से बैकुंठ, माँ से ही चारों धाम है पर इन सब का द्वार तो पिता ही है। आधुनिक समाज में माता-पिता और उनकी संतान के संबंधों की संस्कृति को जीवंत बनाने की अपेक्षा है। आज जब एकल परिवारों का विस्तार हो रहा है, जीवन की गति तेज हो गई है और रिश्तों में औपचारिकता बढ़ती जा रही है, तब माता-पिता के प्रति संवेदनशीलता को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या, पारिवारिक विघटन और पीढ़ियों के बीच बढ़ती दूरी हमें यह सोचने के लिए विवश करती है कि कहीं आधुनिकता की दौड़ में हम अपने मूल्यों को तो नहीं खो रहे हैं। आर्थिक सफलता, सामाजिक प्रतिष्ठा और तकनीकी उपलब्धियां तभी सार्थक हैं, जब उनके साथ मानवीय संवेदनाएं भी जीवित रहें। जिस घर में माता-पिता सम्मानित होते हैं, वहां संस्कारों की धारा बहती है; जहां उनका उपेक्षित होना प्रारंभ होता है, वहां परिवार की आत्मा कमजोर पड़ने लगती है। वास्तव में माता-पिता किसी भी बच्चे के प्रथम गुरु होते हैं। विद्यालय ज्ञान दे सकता है, लेकिन जीवन जीने की कला, संघर्ष का साहस, प्रेम का भाव, करुणा की संवेदना और नैतिकता की नींव माता-पिता ही रखते हैं। वे अपने बच्चों के लिए अनगिनत त्याग करते हैं, अनेक सपनों का परित्याग करते हैं और बिना किसी अपेक्षा के उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्पित रहते हैं। उनका प्रेम ऐसा निवेश है जिसका प्रतिफल वे कभी मांगते नहीं, लेकिन जिसकी छाया जीवनभर संतानों को सुरक्षा प्रदान करती रहती है। माता-पिता से जुड़ी संस्कृति एवं परिवारों को सशक्त बनाए बिना किसी भी राष्ट्र का भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम माता-पिता को केवल सम्मान देने की औपचारिकता तक सीमित न रहें, बल्कि उनके प्रति कृतज्ञता, संवेदनशीलता और सहयोग की संस्कृति विकसित करें। उनके अनुभवों को सुनें, उनके संघर्षों को समझें, उनके साथ समय बिताएं और उन्हें यह विश्वास दिलाएं कि वे परिवार और समाज के लिए आज भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने पहले थे। माता-पिता केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान की शक्ति और भविष्य की प्रेरणा हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नारे सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास की गूंज और भावना अभिभावकों के जीवन में उजाला बने, तभी नया भारत निर्मित होगा। मानवीय रिश्तों में दुनिया में माता-पिता और संतान का रिश्ता अनुपम है, संवेदनाभरा है। माता-पिता हर संतान के लिए एक प्रेरणा हैं, एक प्रकाश हैं और संभावनाओं के पुंज हैं। हर माता-पिता अपनी संतान की निषेधात्मक और दुष्प्रवृत्तियों को समाप्त करके नया जीवन प्रदान करते हैं। माता-पिता की प्रेरणाएं संतान को मानसिक प्रसन्नता और परम शांति देती है। जैसे औषधि दुख, दर्द और पीड़ा का हरण करती है, वैसे ही माता-पिता शिव पार्वती की भांति पुत्र के सारे अवसाद और दुखों का हरण करते हैं।

विश्व माता-पिता दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि बदलती दुनिया में बहुत कुछ बदल सकता है, लेकिन माता-पिता के प्रेम, त्याग, मार्गदर्शन और समर्पण का कोई विकल्प कभी नहीं हो सकता। वे परिवार की जड़ हैं, संस्कृति के संवाहक हैं, मानवता के प्रथम शिक्षक हैं और सभ्यता की सबसे मजबूत नींव हैं। यदि हम एक संवेदनशील, संस्कारित और समृद्ध समाज का निर्माण करना चाहते हैं, तो हमें माता-पिता के सम्मान और सशक्तिकरण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल करना होगा। इस दिवस को मनाने की सार्थकता तभी है जब हम केवल भारत में ही नहीं है बल्कि विश्व में अभिभावकों के साथ होने वाले अन्याय, उपेक्षा और दुर्व्यवहार पर लगाम लगाने की भी है। प्रश्न है कि दुनिया में अभिभावक दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों अभिभावकों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि अभिभावकों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को कैसे रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल अभिभावकों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है।

कांग्रेस ने मुख्यमंत्री बदलकर कर्नाटक का धर्मसंकट टला! क्या सीएम बदलकर से हल निकलेगा?

कमलेश पांडे

कर्नाटक में कांग्रेस इस समय एक गहरे राजनीतिक धर्मसंकट में दिखाई दे रही थी, लेकिन मुख्यमंत्री बदलकर उसने इसका भी तोड़ निकाल लिया है। जिस तरह से आलाकमान के निर्देश पर सिद्धारमैया की जगह डी के शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने का फैसला किया है, वह दूरदर्शिता का परिचायक है। लेकिन सवाल है कि क्या मुख्यमंत्री बदलने से समस्या का स्थायी हल निकल चुका है? या फिर कोई और नई समस्या पनपेगी! कांग्रेस का अतीत इसी बात की चुगली करता है। चूंकि कांग्रेस के लिए जहां एक ओर सत्ता संतुलन मायने रखता है, तो वहीं दूसरी ओर एक स्थिर और टिकाऊ सरकार की चुनौती उसके समक्ष मौजूद है, जो चुनावी मुद्दा भी 2028 के विधानसभा चुनाव में बनेगा। और इसी बीच मुख्यमंत्री बदलने की लगातार चल रही चचाओं को सही साबित करके और अपना नया मुख्यमंत्री घोषित करके उसने कर्नाटक के राजनीतिक तापमान बढ़ा चुकी है। सवाल यह है कि क्या नेतृत्व परिवर्तन वास्तव में समाधान बन सकता है, या फिर यह कांग्रेस के लिए कोई नया संकट खड़ा कर देगा?

इसलिए आइए पहले कर्नाटक कांग्रेस के मौजूदा समीकरण को समझते हैं। वह यह कि वर्तमान मुख्यमंत्री सिद्धारमैया राज्य में जनाधार और प्रशासनिक अनुभव वाले नेता माने जाते हैं, जबकि उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार संगठन, संसाधन और रणनीतिक राजनीति के मजबूत स्तंभ हैं। चूँकि गत 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत में दोनों की बड़ी भूमिका रही थी। इसलिए सत्ता संतुलन शुरू से ही संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है। उम्मीद है कि अब डी के शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने से पार्टी को मजबूती मिलेगी। यही वजह है कि मुख्यमंत्री बदलना केवल प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि राजनीतिक संतुलन का प्रश्न बन चुका था, जो अब जाकर पूरा हुआ। ऐसे में सुलगता सवाल है कि आखिर दोनों नेताओं के बीच का संतुलन कैसे बदला और क्या मुख्यमंत्री बदलने से इसका हल निकल सकता है? तो जवाब होगा कि सैद्धांतिक रूप से नेतृत्व परिवर्तन से असंतोष कम किया जा सकता है, लेकिन

व्यवहारिक राजनीति में ऐसा प्रयोग हमेशा सफल नहीं होता। बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि बदलाव सहमति से हुई या दबाव में, सत्ता हस्तांतरण सम्मानजनक हुआ या टकरावपूर्ण, संगठन और विधायकों का समर्थन किसके साथ रहे और जनता इसे स्थिरता माने या आंतरिक संघर्ष। क्योंकि यदि बदलाव समझौते की तरह दिखाई दिया है, तो कांग्रेस इसे संतुलन की राजनीति कह सकती है। लेकिन विपक्ष इस लंबी चली खींचतान को अस्थिरता के रूप में ही पेश करेगा।

पहला, राजस्थान मॉडलः बदलाव टला, लेकिन संघर्ष बढ़ा। आपने गौर किया होगा कि राजस्थान में अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच लंबे समय तक नेतृत्व संघर्ष चला। फिर भी कांग्रेस हाईकमान स्पष्ट निर्णय लेने से बचता रहा। नतीजा यह निकला कि सरकार लगातार अंदरूनी तनाव में रही और युवा बनाम वरिष्ठ नेतृत्व की बहस तेज हुई। इससे चुनावी नैरेटिव कमजोर हुआ और अंततः सूबाई सत्ता भाजपा के हाथों गंवानी पड़ी। यह उदाहरण बताता है कि निर्णय टालना भी कभी-कभी संकट को लंबा कर देता है और विनाशकारी प्रभाव छोड़ता है। **दूसरा, मध्यप्रदेश मॉडलः** असंतोष की कीमत सत्ता गंवाकर चुकाई। आपने महसूस किया होगा कि मध्यप्रदेश में कमलनाथ और ज्योतिरादित्य सिंधिया के बीच बढ़ते असंतोष को समय रहते नहीं संभाला गया। आखिरकार सिंधिया समर्थक विधायकों के जाने से कांग्रेस सरकार गिर गई। यह कांग्रेस के लिए सबसे बड़ा सबक बना कि केवल हाईकमान नियंत्रण हर बार पर्याप्त नहीं होता।

तीसरा, पंजाब मॉडलः नेतृत्व परिवर्तन उल्टा भी पड़ सकता है। आपने समझा होगा कि पंजाब में कांग्रेस ने अमरिंदर सिंह को हटाकर चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री बनाया। उद्देश्य था एंटी-इन्कम्बेंसी कम करना और सामाजिक समीकरण मजबूत करना। लेकिन पार्टी के भीतर विभाजन और बढ़ गया। इससे संगठनात्मक भ्रम पैदा हुआ और चुनाव में कांग्रेस को भारी नुकसान हुआ। इससे यह संदेश गया कि देर से किया गया नेतृत्व परिवर्तन हमेशा लाभकारी नहीं होता।

देखा जाए तो कांग्रेस के सामने फिलवक्त तीन बड़ी चुनौतियाँ हैं:- एक, स्थिरता बनाम महत्वाकांक्षाः यदि बदलाव नहीं हुआ तो एक धड़ा असंतुष्ट रह सकता है। यदि बदलाव हुआ तो दूसरा धड़ा अस्थिर हो सकता है। दूसरा, दक्षिण भारत का राजनीतिक महत्वः कर्नाटक फिलहाल दक्षिण भारत में कांग्रेस की सबसे बड़ी सत्ता है। यह राज्य केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय रणनीति का केंद्र बन चुका है। तीसरा, भाजपा को अवसर न मिलेः भारतीय जनता पार्टी लगातार कांग्रेस की आंतरिक राजनीति पर नजर रखे हुए है। लिहाजा कांग्रेस जानती है कि सार्वजनिक संघर्ष विपक्ष को बड़ा मुद्दा दे सकता है।

जानिए क्या हो सकता है आगे?

कांग्रेस संभवतः विभिन्न रास्तों पर विचार कर रही होगीः पहला, समयबद्ध सत्ता परिवर्तन और फिर संगठन और सरकार के बीच नई जिम्मेदारियों का बंटवारा। मुख्यमंत्री बदलने के बाद उसकी सबसे संभावित रणनीति फिलहाल यही दिखती है कि पार्टी किसी भी बदलाव को संघर्ष नहीं बल्कि सहमति के रूप में प्रस्तुत करना चाहेगी। वास्तव में अतीत कांग्रेस को यह सिखाता है कि नेतृत्व परिवर्तन न करना भी जोखिम है और गलत समय पर करना उससे बड़ा जोखिम। इसलिए कर्नाटक में पार्टी इसी संतुलन को साधने की कोशिश कर चुकी है, क्योंकि यहां गलती केवल राज्य सरकार नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीतिक संदेश को भी प्रभावित कर सकती है। यही वजह है कि कर्नाटक में कांग्रेस नेतृत्व परिवर्तन यानी मुख्यमंत्री बदलने का निर्णय बेहद सावधानी पूर्वक किया गया है, क्योंकि पार्टी को यह एहसास है कि सत्ता परिवर्तन की आंतरिक राजनीति कई राज्यों में उसे भारी नुकसान पहुँचा चुकी है। यही कारण है कि पार्टी राजस्थान और मध्यप्रदेश जैसी परिस्थितियों की पुनरावृत्ति से बचना चाहती दिख रही थी और उसने डी के शिवकुमार के धैर्य और प्रयासों को ग्रेस दिया।

लघुकथा

बुद्धिमान

एक गांव में एक गरीब ब्राह्मण परिवार रहता था। पंडितजी, पंडिताइन और उनकी इकलौती संतान बारह साल की पुत्री के अलावा उनके परिवार में और कोई नहीं था। जब तक पंडितजी जिंदा रहे, उन्होंने कथा-पुराण बांचकर अपनी गृहस्थी की गाड़ी घसीटी। उनकी मृत्यु के बाद उनकी अधेड़ उम्र की पत्नी ने शोक और अभाववश खाट पकड़ ली और वह भी एक दिन नहीं रही। उनकी पुत्री पर वज्राघात-सा हुआ। रोते-रोते उसकी आंखें सूज गईं। पास पड़ोस की औरतों में से कोई कहती- पंडिताइन जिंदा है और कोई कहती मर गई है! ब्राह्मण कन्या बड़ी उलझन में पड़ी। उसने पड़ोस के एक बुद्धिमान व्यक्ति के घर जाकरे रोते-बिलखते हुए कहा- चाचाजी, चलकर आप देखिए न! बुद्धिमान व्यक्ति ने कहा, बेटी तुम्हारी मां ताजिंदगी मुझसे पर्दा करती रहीं। मैंने उनका मुंह कभी नहीं देखा। अब यह पाप भला कैसे कर सकता हूँ! उन्होंने धुनी हुई थोड़ी-सी रुई ब्राह्मण कन्या के हाथ में देकर कहा- अपनी मां के नाक के छिद्र के पास इसे रखना, यदि रुई हिले तो समझना कि सांसें चल रही हैं। उदास लड़की के जाने के बाद पत्नी ने आड़े हाथों लिया- बड़े पाखंडी हैं आप! मरे का मुंह देखने में कैसा अधर्म? बुद्धिमान व्यक्ति ने अपने मन की बात बताई- पाप नहीं लगेगा, लेकिन वहां जाने पर पंडिताइन के लिए कफन वगैरह का इंतजाम मुझे ही करना पड़ता!

कहानी

बच्चे की कसम (भाग-1)

ढाबा मेन रोड पर ही था मगर सड़क और ढाबे के बीच करीब बीस फीट की दूरी भी थी। इस दूरी के बीच एक बड़ा सा पेड़ था आम का, जो काफी पुराना और जर्जर था लेकिन ढाबे वाले ने पोस्टर चिपका कर पेड़ के तने की बदसूरती छिपा दी थी। हरिकेश ने जायजा लिया कि यह ढाबा थोड़ा सस्ता है तो यहीं पर कुछ खा-पी ले। चूंकि धूप काफी तेज थी सो उसने सोचा कुछ खा-पीकर सुस्ता लिया जाए और फिर खरीदारी की जाए। उसने अपनी मोटरसाइकिल उसी पेड़ के नीचे धूप की तुर्शी बचाते हुए पार्क कर दी। पास लगे नल से उसने हाथ-मुंह धोया। पेड़ की छाया में ही पड़ी कुछ-कुछ पुरानी बेंच और कुर्सियों में उसने पनाह ली। घर पहुंचने की जल्दी में उसने सुबह का नाश्ता भी ठीक से नहीं किया था। उसने मेस से चलते-चलते नाश्ते का पैकेट ले लिया था कि रास्ते में कहीं खा लेगा। मगर रास्ते में उसे याद ही नहीं पड़ा कुछ। मोटरसाइकिल रोकी तो उसने देखा कि नाश्ते वाला पैकेट वैसे ही बंद पड़ा है। उसके होंठों पर मुस्कुराहट खेल गई। वह बुदबुदाया, घर पहुंचने की जल्दी में मुझे भूख-प्यास का कुछ होश ही नहीं रहा, गजब ही है। उसने सोचा, ये बचा हुआ नाश्ता भी कर लेता हूँ और इसी के साथ कुछ खाने-पीने का ऑर्डर कर लेता हूँ। नाश्ते के पैकेट का भी सदुपयोग हो जाएगा और फुल-प्लेट खाने के पैसे भी नहीं लगेंगे। हाफ-प्लेट के ऑर्डर से ही काम चल जाएगा। दीवार पर खाने-पीने का रेट कार्ड उसने देखना शुरू किया। उसने पाया कि ढाबा तो ये सड़क किनारे वाला है मगर रेट इसके रेस्टोरेंट वाले हैं। बाबू जी, कुछ खिला दीजिये। कल रात से कुछ भी नहीं खाया है। पीछे से एक आवाज आई। उसने घूमकर देखा तो एक अधेड़ उम्र का मैला-कुचैला इनसान बड़ी दीन-हीन हालत में खड़ा था। उसके एक हाथ नहीं था और पीठ पर बड़ा-सा कूबड़ था। वह कुछ सोच-बोल पाता तब तक ढाबे के मालिक ने उसके पास आकर कहा, क्या खाएंगे, बाबूजी? उसने दीवार पर लिखे रेट कार्ड का जायजा लिया, फिर कुछ सोचकर बोला एक थाली ले आइए। ढाबे वाले ने भिखारी की तरफ देखा, उसे गंदी-सी कोई गाली दी जिससे सहम कर भिखारी पेड़ के नीचे छिप गया। ढाबे वाला चला तो गया मगर वह भिखारी पेड़ के नीचे बैठ गया। थोड़ी देर में गर्मागर्म थाल में स्वादिष्ट भोजन हरिकेश के सामने था। उसने थाल के साथ नाश्ते का पैकेट भी खोल लिया। अचानक उसने सामने देखा तो पेड़ के पीछे से दो जोड़ी सहमी आंखें कातर एवं उम्मीद भरी नजरों से उसे देख रही थीं। उसने कुछ सोचा और खाने को देखकर अंदाज लगाया कि उसका पेट तो थाली से ही भर जाएगा तो नाश्ते का पैकेट अतिरिक्त ही बचा रहेगा। कुछ सोच-विचारकर उसने पेड़ के पीछे से देख रहे भिखारी को इशारे से बुलाया। वह आदमी दौड़ता हुआ आया। उसकी आंखें उम्मीद से चमक रही थीं। हरिकेश ने उसे नाश्ते वाला पैकेट दे दिया। तब तक ढाबे वाले ने पीछे से भिखारी को गंदी-सी गाली दी। हरिकेश ने पलटकर देखा तो ढाबे वाले ने काउंटर पर बैठे -बैठे ही कहा-इन सबको यहाँ मुंह न लगाइए साहब। कोई बात बिगड़ गई तो मैं जिम्मेदार नहीं होऊंगा। खामखां मेरे ढाबे पर तमाशा खड़ा हो जाएगा। बाद में मुझे मत कुछ कहिएगा। हरिकेश को ढाबेवाले की बात कुछ अजीब लगी। उसके दिमाग में कई ख्याल आए-गए। उसने इशारे से भिखारी को वहां से जाने को कहा। भिखारी तुरंत नाश्ते वाला पैकेट लेकर वहाँ से चला गया। खाने की खुश्बू और भूख की तीव्रता से हरिकेश ने अपने मन के सवालों को झटका और खाने पर टूट पड़ा। खाने के बाद उसने भुगतान किया। उसने टाइम और मौसम का जायजा लिया। धूप अभी बहुत तेज थी और उसे थकान भी लग रही थी। उसने सुस्ताने की सोची और वहीं ढाबे की चारपाई पर आराम करने लगा। शोर से उनकी तन्द्रा टूटी तो उसने देखा कि आठ-दस लोग मैले-कुचैले कपड़ो वाले एक व्यक्ति को पकड़े हुए थे और चीख-चिल्ला रहे थे। वह चौंक कर उठा और ध्यान से देखा कि जमीन पर जो व्यक्ति छटपटा रहा है वह तो वही भिखारी था जिसे उसने खाना दिया था। भीड़ बढ़ती जा रही थी और तनाव,चीखना-चिल्लाना बढ़ता ही जा रहा था। ढाबे वाला हरिकेश के पास आकर बोला, साहब, क्या दे दिया आपने उसे खाने में। खाना शायद खराब हो गया था। ये लोग तो कह रहे हैं कि जहर था, शायद खाने में। कहीं मर-मरा गया तो थाना-पुलिस हो जाएगा।

जांच तो होनी चाहिए

संतोष उत्सुक

(व्यंग्य)

जांच किया जाना अच्छी बात है इसलिए तो जांच के निर्णय का स्वागत किया जाता है। यह बात दीगर है कि जांच होने के बाद निकलता क्या है। यह ठीक वैसा ही है कि गर्भ की जांच नहीं की जाती, डिलीवरी के बाद ही राज खुलता है। हालांकि अभिभावक मन्नतें मानते रहते हैं कि किसी तरह लड़का ही पैदा हो लेकिन हर तरह से लडकी ही पैदा हो जाती है।

गहन जांच का सख्त हुक्म होता है तो उसमें किसी तरह की राजनीति हो नहीं सकती क्यूंकि जांच के गर्भ में महत्त्वपूर्ण फैसला छिपा होता है। जांच के आदेश में जन भावना का सम्मान दिखता है। यह तो जांच होने के बाद ही पता चलता है कि जांच में क्या निकला और क्या नहीं निकला। कुछ को लगेगा जांच में यह नहीं निकला, वह तो बिलकुल नहीं निकलना चाहिए था। विद्वान व्यक्ति बता दिया करते हैं कि फलां जांच में कुछ ऐसा निकलना चाहिए था। समझदार लोगों का मत होता है कि जांच के आदेश से विपक्ष के झूठ और भ्रम पर रोक लगनी शुरू हो जाती है। उनके अनुसार राजपक्ष से सम्बंधित, मुश्किल से चुनाव जीत कर आए नेताओं को बदनाम करना शुरू हो गया था इसलिए जांच बिठानी पड़ी। बदनामी को दुर्भाग्यपूर्ण माना जाता है और जांच शुरू होने को शुभ मानते हुए कहा

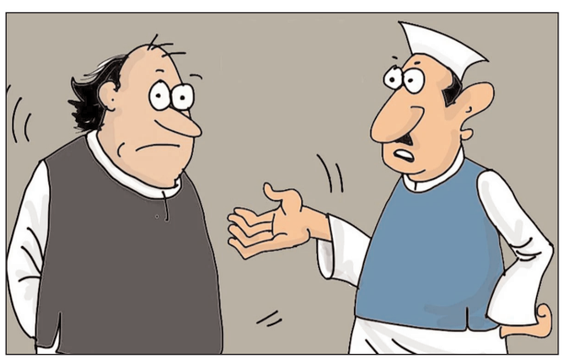

जाता है कि जांच जैसे पवित्र कार्य से सचाईजी, पूरी तरह सुसज्जित होकर सबके सामने खड़ी हो जाएंगी।

जांच किया जाना अच्छी बात है इसलिए तो जांच के निर्णय का स्वागत किया जाता है। यह बात दीगर है कि जांच होने के बाद निकलता क्या है। यह ठीक वैसा ही है कि गर्भ की जांच नहीं की जाती, डिलीवरी के बाद ही राज खुलता है। हालांकि अभिभावक मन्नतें मानते रहते हैं कि किसी तरह लड़का ही पैदा हो लेकिन हर तरह से लडकी ही पैदा हो जाती है।

उस तरह की जांच के आदेश मात्र से एंटी सोशल मीडिया पर छाए तमाम वीडियो और दूसरे सामाजिक मंचों से फैल रहे भ्रम और अराजकता का जो माहौल खड़ा किया जा रहा होता है उसका निर्माण गैर कानूनी ईमारत के निर्माण की तरह रुक जाता है। जांच उचित तरह से हो जाए तो जनता को बरगलाने वाले कुछ समय के लिए तो बेनकाब हो जाते हैं, क्या कहा करते हैं कि दूध का दूध पानी का पानी हो जाता है।

दिलचस्प यह है कि आजकल निरंतर प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने वाले, बड़े आकार के शहरों का पानी भी महादूषित और जानलेवा होने लगा है जिसकी जांच भी करने लायक है। दूध तो इतना उपलब्ध है जितने पशु नहीं हैं। अगर ऐसे मामलों में जांच घोषित हो तो जनता अपनी जीत समझ लेगी और मस्त रहेगी । वह बात अलग है कि जांच कई साल पकाने के बाद परिणाम का हलवा उन्हें स्वादिष्ट नहीं लगेगा। जांच करने वालों की विश्वसनीयता, ईमानदारी, पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं लेकिन क्या फर्क पड़ता है सवाल उठाए जाएं या बिठा दिए जाएं। असली बात तो जवाबों में होती है। किसी ने लिखा भी है, जवाब जिनका नहीं वो सवाल होते हैं।

आम जनता तो सवालों से ही खुश हो जाती है। कुछ खास लोग जांच के परिणामों का इंतजार करते रहते हैं। सवालों के न दिए जा सकने वाले जवाब चाहते रहते हैं। खास सवाल जब जांच में फंस जाएं तो जवाबों के रंग ढंग सब बदल जाते हैं। जांच करने वाले भी सोचते तो होंगे कि कैसे कैसे संगीन मामलों की जांच को, बेचारी कर देना पड़ता है। जांच का फैसला दर्जनों पृष्ठ का होता है लेकिन दोषी परेशान नहीं दिखते। यही तो जांच की अच्छी बात होती

वारिश अली हत्याकांड का मास्टर माइंड निकला रसेमर का अरुण यादव

करोड़ों की जमीन हड़पने के लिए सुनियोजित तरीके से रची गई थी साजिश

मास्टर माइंड शिक्षक सहित तीन को पुलिस ने गिरफ्तार किया, जेल भेजे गए हत्यारोपी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। कुरावली थाना क्षेत्र के मोहल्ला कौआटोला निवासी वृद्ध वारिस अली की हत्या करोड़ों रुपये की जमीन हड़पने के लिए रची गई एक सुनियोजित साजिश के तहत की गई थी। हत्या को सड़क दुर्घटना का रुप देने के लिए रसेमर के शिक्षक अरुण यादव ने पूरी साजिश रची थी। हत्याकांड का खुलासा करते हुए पुलिस ने मास्टरमाइंड शिक्षक समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर शनिवार को न्यायालय में पेश किया। यहां से उन्हें जेल भेज दिया गया, जबकि दो अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

एसपी ग्रामीण अभिषेक त्रिपाठी ने प्रेसवार्ता में जानकारी देते हुए बताया कि कुरावली के मोहल्ला कौआटोला निवासी वारिस अली का शव 20 मई को फतेहजंगपुर अंडरपास के पास मिला था। उनके शरीर पर चोटों के निशान थे। पुलिस की शुरूआती जांच में मामला सड़क दुर्घटना का प्रतीत हो रहा था। लेकिन मृतक की बेटी स्वालिहा की तहरीर पर पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी गणेश प्रसाद साहा ने मामले के खुलासा के लिए चार टीमों का गठन किया था।

सीसीटीवी और कॉल डिटेल से खुला राज- पुलिस जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज, कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) सहित अन्य तकनीकी साक्ष्यों की मदद से पूरे घटनाक्रम का खुलासा हुआ। जांच में सामने आया कि आरोपियों की नजर वारिस अली की नेशनल हाईवे किनारे स्थित करोड़ों रुपये मूल्य की जमीन पर थी। पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी अरुण कुमार यादव पुत्र प्रमोद कुमार जो एक सरकारी शिक्षक है, ने वारिस अली से 35 लाख रुपये में एक प्लॉट खरीदने की बात की थी।

आरोप है कि उसने अपने ड्राइवर अभिषेक कुमार पुत्र सुधीर निवासी ग्राम फतेहजंगपुर थाना कुरावली के नाम पर करीब 12.5 बीघा जमीन का बैनामा करा लिया, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 9 करोड़ रुपये है।

राज खुलने के डर से रची हत्या की साजिश

सीओ कुरावली सच्चिदानंद सिंह ने बताया कि जमीन हड़पने के खेल का खुलासा होने की आशंका के चलते अरुण कुमार ने अपने साथियों रविंद्र सोलंकी पुत्र भीष्मपाल निवासी ग्राम प्रेमपुरा थाना कुरावली और ऋषिबाबू पुत्र शीतलसिंह निवासी गग्गरपुर थाना बेवर के साथ मिलकर वारिस अली की हत्या की योजना बनाई। 19 मई को मौका मिलते ही आरोपियों ने वारिस अली की हत्या कर दी। हत्या के बाद घटना को सड़क हादसे का रुप देने के लिए शव को फतेहजंगपुर अंडरपास सर्विस रोड पर फेंक दिया गया, ताकि मामला दुर्घटना प्रतीत हो।

शिक्षक ने खुद को बचाने के लिए चालू रखा मोबाइल

जांच में यह भी सामने आया कि वारदात के समय मास्टरमाइंड अरुण कुमार ने खुद को संदेह से दूर रखने के लिए अपना मोबाइल फोन चालू रखा और विभिन्न स्थानों के सीसीटीवी कैमरों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। वहीं, अन्य आरोपियों ने अपने मोबाइल फोन बंद कर दिए थे।

तीन आरोपी गिरफ्तार, कार और हथियार बरामद

पुलिस ने गहन विवेचना के बाद आरोपी अरुण कुमार निवासी रसेमर, रविंद्र सोलंकी निवासी प्रेमपुरा और ऋषिबाबू निवासी गग्गरपुर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त बलेनो कार, सरिया, तकिया तथा मृतक का आधार कार्ड बरामद किया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले में सभी आवश्यक साक्ष्य जुटा लिए गए हैं और आरोपियों के खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

अग्रेजी शराब ठेका के सामने अवैध रुप से संचालित कैन्टीन

शराब पीने के बाद लोग रोज करते है लड़ाई झगड़ा, कानून जेब में रख लेते

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कुरावली/मैनपुरी। कस्वा में जीटी रोड किनारे विद्या मैरिज होम परिसर में संचालित कंपोजिट अग्रेजी, बीयर शराब ठेका के सामने अवैध रुप से कैन्टीन संचालित की जा रहीं है। यह कैन्टीन पुलिस के लिए भी चुनौती बनी हुई है। शाम होते ही शराब के शौकीन यहां पर आते है और शराब पीने के बाद लड़ाई झगड़ा पर उतारु हो जाते हैं। ऐसा कैन्टीन में एक दिन की बात नहीं रोज का हो गया है।

कुरावली में जीटी रोड किनारे पुराने अस्थाई रोडवेज बस अड्डा के निकट विद्या मैरिज होम परिसर में कंपोजिट नंबर एक अग्रेजी, बीयर शराब की दुकान संचालित की जा रहीं है। इस दुकान के ठीक सामने ही अवैध रुप से कैन्टीन संचालित की जा रही हैं, अवैध रुप से संचालित कैन्टीन पर किसी भी निगाह नहीं गई।

जबकि इस कैन्टीन पर शराब के पीने के बाद लोग रोज ही झगड़ा करते रहते है। कैन्टीन पर आने वाले शराब के शौकीन कानून को जेब में होने का भी दावा करने लगते है।

कई महीनो से संचालित है अवैध कैन्टीन

अग्रेजी शराब ठेका के सामने अवैध रुप से संचालित कैन्टीन की बात करें तो यह कैन्टीन कई महीनो से संचालित की जा रहीं है। शराब पीने वाले लोगो के झगड़ा करने के बाद यह पुलिस के लिए भी चुनौती बनी हुई है। सवाल केवल एक ही है अवैध रुप से संचालिम कैन्टीन पर आबकारी विभाग की निगाह आखिर क्यो नहीं गई।

क्या बोले जिला आबकारी अधिकारी

कुरावली में कंपाजिट अग्रेजी, बीयर शराब ठेका के सामने अवैध रुप से संचालित होने वाली कैन्टीन के बारे जानकारी नहीं है। इसके बारे में जानकारी कराई जाएगी, अगर कैन्टीन संचालित है तो उसे बंद कराया जाएगा।- हितेन्द्र सिंह, जिला आबकारी अधिकारी मैनपुरी।

क्या बोले एसपी ग्रामीण

कुरावली में जीटी रोड किनारे अवैध रुप से संचालित कैन्टीन के बारे किसी प्रकार की जानकारी नहीं है। कैन्टीन पर अगर लड़ाई झगड़ा होता रहता है तो जानकारी करके कैन्टीन को वहां से हटवाया जाएगा।- **अभिषेक त्रिपाठी, एसपी ग्रामीण।**

कैंसर से पीड़ित सभासद का निधन, एसडीएम ने दी श्रद्धांजलि

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। नगर पंचायत के मोहल्ला गढ़ी से सभासद श्रीमती कमलेश कुमारी का लंबी बीमारी के बाद शुक्रवार रात निधन हो गया। वह काफी समय से बीमार थीं और शुक्रवार रात करीब 9.30 बजे उन्होंने अपने आवास पर अंतिम सांस ली।

शनिवार सुबह एसडीएम व प्रभारी ईओ गोपाल शर्मा और चेयरमैन प्रतिनिधि डैनी यादव उनके आवास पहुंचे। उन्होंने दिवंगत सभासद को श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। चेयरमैन प्रतिनिधि डैनी यादव ने सभासद की अर्थी को कंधा दिया। इस दौरान बड़ी संख्या में गणमान्य लोग और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे, जिन्होंने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। शव यात्रा में पूर्व चेयरमैन अनिल मिश्रा, नगर पंचायत के सभी सभासद, समस्त नगर पंचायत कर्मी, प्रधान अजब सिंह जाटव, भाजपा मंडल अध्यक्ष रीता घासीराम शाक्य, सपा नगर अध्यक्ष मुकुल यादव, अभिलाख यादव, समाजसेवी दिनेश शर्मा, पंकज चौहान और प्रशांत तिवारी सहित सैकड़ों लोग शामिल हुए।

फर्नीचर की दुकान में आग लगने से लाखों का सामान राख

शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग, कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। करहल के किशनी चौराहा स्थित फर्नीचर की दुकान में शनिवार की दोपहर साढ़े तीन बजे के करीब शार्ट सर्किट के चलते आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। तेज लपटें देख आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

सूचना पर एसडीएम और सीओ फायर बिग्रेड की चार टीमों के साथ मौके पर पहुंचे। जहां टीम ने दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक लाखों रुपये का सामान पूरी तरह जलकर नष्ट हो गया। करहल के पुराना थाना रोड निवासी रियाजुद्दीन उर्फ नत्थू मैनपुरी रोड पर गिहार कॉलोनी के निकट फर्नीचर की दुकान किए हैं। रोजाना की तरह शनिवार की दोपहर को वह कर्मियों के साथ दुकान पर बैठे थे। तभी दोपहर साढ़े तीन बजे के करीब दुकान की ऊपरी मंजिल पर शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। जंगले से धुआं निकलता देख उन्होंने शोर मचाया तो आसपास के लोग एकत्र हो गए। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर पूरी दुकान को चपेट में ले लिया। सूचना पर एसडीएम सुनिष्ठा सिंह और सीओ करहल अजय सिंह चौहान फायर बिग्रेड की दो टीमों के साथ पहुंचे। जहां टीमों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली तो इटावा और सैफई से भी एक-एक टीम बुलानी पड़ी।

आग से हुई क्षति का आकलन कर रहे कर्मी

टीम ने करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया, लेकिन तब तक दुकान में रखा फर्नीचर, गद्दे आदि लाखों का सामान जल गया। एसडीएम के निर्देश पर तहसील कर्मी क्षति का आंकलन कर रिपोर्ट बना रहे हैं।

वाहन चेकिंग के समय पुलिस ने अधिवक्ता से कर दी अभद्रता

तहसील के अधिवक्ताओं में आक्रोश

एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगांव/मैनपुरी। कस्वा पुलिस द्वारा अधिवक्ता के साथ वाहन चेकिंग के दौरान की गई अभद्रता को लेकर तहसील में वकीलों ने जमकर नारेबाजी की ओर दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग करते हुए एसडीएम को ज्ञापन दिया है।

शनिवार को तहसील अभिभाषक परिषद के अध्यक्ष राजेश कुमार यादव ने एसडीएम नीरज द्विवेदी को ज्ञापन देते हुए जानकारी दी कि उनकी परिषद के कनिष्ठ उपाध्यक्ष गौरव शाक्य के साथ चेकिंग करने के दौरान बीते गुरुवार को जीटी रोड चौराहे पर थाने के एक एसआई व कुछ सिपाहियों ने अभद्रता की थी। पुलिस ने अधिवक्ता की वाईक के पहिये में डंडा डालकर रोका ही नहीं बल्कि खाकी का रौब दिखते हुए चाबी निकाल ली। अधिवक्ता द्वारा जब पुलिस कार्यवाही का विरोध किया गया तो उसके साथ अभद्रता की गई।

उनके साथी अधिवक्ता ने जब मामले की जानकारी परिषद को देने के लिए मोबाइल फोन निकाला तो पुलिस कर्मियों ने उनका मोबाइल फोन छीन लिया और मोबाइल में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के साथ अधिवक्ता का फोटो देखकर स्टूल मंत्री कहते हुए अपमान जनक बातें कहीं। उन्होंने बताया कि पीड़ित अधिवक्ता गौरव शाक्य इस मामले में उपमुख्यमंत्री से मिलने के लिए लखनऊ जा रहे हैं।

एसडीएम से अधिवक्ताओं की एक घंटे बातचीत

एसडीएम नीरज द्विवेदी ने अधिवक्ताओं से मामले में लगभग एक घंटा तक बातचीत की ओर मामले में क्षेत्राधिकारी तथा प्रभारी निरीक्षक कोतवाली भोगांव से मामले का सम्मान जनक हल निकाले जाने का आश्वासन भी दिया।

ज्ञापन देने के मौके पर यह रहे मौजूद

इस मौके पर हेमन्त मिश्रा, शिशुपाल सिंह शाक्य, शिव कुमार दुवे, हरिओम यादव, मुकुट बिहारी, अजय दीक्षित, बीरेंद्र शाक्य, मुकेश लोधी, धर्मेंद्र शाक्य, राहुल पाण्डेय, अनिल यादव, आमोद दुवे, बलबीर यादव, धनवेश पाल आदि लोग मौजूद रहे।

सरयू सिक्सर किक्रेट क्लब ने जीता एचपीएल का फाइनल मुकाबला

बराबरी पर मुकाबला पहुंचने के बाद सुपर ओवर में किया बेहतर प्रदर्शन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। विकास खंड की ग्राम पंचायत बसैत के मजरा हर्राजपुर में खेले गए एचपीएल सीजन-2 का फाइनल मुकाबला शुक्रवार शाम सरयू सिक्सर क्रिकेट क्लब और चंबल किंग्स क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया। चंबल किंग्स के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सारयू सिक्सर ने 15 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 140 रन बनाए। टीम की ओर से बल्लेबाज श्याम मोहन ने शानदार 46 रन तथा सूरज ने 35 रनों का योगदान दिया। चंबल किंग्स की ओर से गेदबाज मोहित ने 3 विकेट और सौरभ ने 2 विकेट हासिल किए, लक्ष्य का पीछा करने उतरी चंबल किंग्स ने भी 15 ओवर में 140 रन बनाकर मुकाबले को बराबरी पर समाप्त कर दिया। चंबल किंग्स की ओर से रवि शाक्य ने 37 रन और विराट दुबे ने 28 रन बनाए। सरयू सिक्सर की ओर से विकास शाक्य ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट लिए।

मैच बराबरी पर रहने के कारण मुकाबला सुपर ओवर में पहुंचा, जहां सरयू सिक्सर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल मैच अपने नाम कर लिया और एचपीएल हरराजपुर सीजन-2 की विजेता बनी। टूनार्मेंट में अमित कश्यप को बेस्ट बल्लेबाज तथा विकास शाक्य को बेस्ट गेंदबाज का पुरस्कार प्रदान किया गया, दोनों टीमों को पुरस्कार वितरण चेयरमैन डैनी यादव, उद्योगपति विक्रम सिंह चौहान व राहुल चौहान एवं मोहित चौहान द्वारा किया गया।

इस अवसर पर सुखेंद्र चौहान, गिरीश शाक्य, अजीत राठौर, राजीव राठौर, हर्षित दुबे, मंटूरी चौहान, लालू कश्यप, अनुज शर्मा, अंकित भदौरिया, भानु भदौरिया, रजत तिवारी एवं संदीप शाक्य अनुज चौहान सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

बंद मकान से नकदी और आभूषण चोरी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कुरावली/मैनपुरी। नगर के एक मोहल्ले में चोरों ने बंद पड़े मकान को निशाना बनाते हुए नकदी और चांदी के आभूषणों पर हाथ साफ कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर गृहस्वामी के होश उड़ गए। पीड़ित ने थाना पुलिस को तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। नगर के मोहल्ला कुवरपुर निवासी नन्ने लाल शाक्य पुत्र जालिम सिंह ने शनिवार को पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह 21 मई को अपने पुत्र संजीव के पास गाजियाबाद चेकअप हेतु गए हुए थे। इसी दौरान उनका घर बंद पड़ा था। 29 मई की रात करीब 10 बजे पड़ोसियों द्वारा फोन पर घर में चोरी होने की सूचना दी गई। सूचना मिलने पर वह तत्काल घर पहुंचे। घर पहुंचने पर देखा कि अज्ञात चोर मकान के ताले तोड़कर अंदर घुस गए थे। चोर घर में रखी करीब 35 हजार रुपये की नकदी, एक जोड़ी चांदी की पायल तथा तीन जोड़ी चांदी की बिछिया समेत अन्य कीमती सामान चोरी कर ले गए। चोरी गए जेवरों और नकदी की कुल कीमत लगभग 74 हजार रुपये बताई गई है। घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से लोगों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। पीड़ित ने पुलिस से मामले की जांच कर अज्ञात चोरों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

पहली पत्नी और बच्चों के होते हुए कर ली दूसरी शादी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। पहले से शादीशुदा होने तथा तीन बच्चों का पिता होने के बावजूद एक व्यक्ति ने दो बच्चों की मां से दूसरी शादी कर ली अब पहली पत्नी के साथ आरोपी कर रहा है ज्यादती। मामला थाना क्षेत्र के गांव कमलनेर का है। विमलेश पत्नी बृजेश जाटव ने तहरीर दी कि उनके दो बेटे और एक बेटी है। पीड़िता ने बताया की 20 दिन पूर्व उनके पति ने दो बच्चों की मां, छाया निवासी कन्नौज के साथ शादी कर उनके घर ले आया। अब वह उनके घर पर ही रह रही है। पीड़िता ने आरोप लगाया कि उनके पति ने शनिवार को उनके साथ गाली गलौज कर मारा पीटा जिससे उनके चोटें आई। अब उनके पति उन्हें खाना खर्चा नहीं दे रहे हैं वह अपना पालन पोषण स्वयं कर रही है उनके पति के नाम 6 बीघा जमीन है जिसे उनके पति अपनी दूसरी पत्नी छाया के नाम करना चाहते हैं। उन्होंने मांग की कि वह जमीन उनके बच्चों के नाम कराई जाए तथा उन्हें और उनके बच्चों को उनका हक दिलाया जाए।

मिशन ज्योतिर्गमय से बदलेगी परिषदीय विद्यालयों की तस्वीर

100 विद्यालयों से शुरू होगी शिक्षा परिवर्तन की नई मुहिम, परिषदीय विद्यालयों को बनाया जायेगा अभिभावकों की पहली पसंद

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। डीएम डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने परिषदीय विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति, सामुदायिक सहभागिता, नवाचार आधारित शिक्षण व्यवस्था को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षकों के साथ आयोजित बैठक में कहा कि जनपद में मिशन ज्योतिर्गमय प्रारंभ ग्रीष्मकालीन अवकाश की समाप्ति के पश्चात 16 जून से 100 विद्यालयों में किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि मिशन ज्योतिर्गमय के माध्यम से परिषदीय विद्यालयों के प्रति लोगों का विश्वास पुनर्स्थापित कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य किया जायेगा, विद्यालयों के भौतिक स्वरूप को आकर्षक, आधुनिक बनाया जायेगा, बच्चों की शैक्षणिक गुणवत्ता और सीखने के स्तर में सुधार किया जायेगा, मिशन कायाकल्प के 19 मानकों के साथ अतिरिक्त मानकों को भी लागू किया जाएगा, चयनित विद्यालयों में इंटरलॉकिंग, मिड-डे-मील शेड, सीसीटीवी कैमरे, आरओ पेयजल व्यवस्था, कम्प्यूटर सिस्टम, स्मार्ट क्लास, डिजिटल लाइब्रेरी, सुरक्षित परिसर, आवश्यक भूल-भूत सुविधाएं उपलब्ध, विकसित की जाएंगी। श्री त्रिपाठी ने प्रसिद्ध जनकवि नागार्जुन की कविता दुखरन मास्टर का उल्लेख करते हुए कहा कि एक समय था जब सीमित संसाधनों, जर्जर भवनों और कठिन परिस्थितियों में भी शिक्षक समाज के लिए उत्कृष्ट नागरिक तैयार करते थे, टूटे-फूटे विद्यालयों, न्यूनतम सुविधाओं के बीच भी शिक्षक बच्चों को शिक्षित कर उन्हें जीवन में आगे बढ़ने योग्य बनाते थे, आज विद्यालयों में संसाधन बढ़े हैं, भवन बेहतर हुए हैं।

डीएम ने कहा मिशन ज्योतिर्गमय की परिकल्पना विद्यालय, शिक्षक, अभिभावक, ग्राम पंचायत, प्रशासन और समुदाय मिलकर शिक्षा के क्षेत्र में परिवर्तन की नई इबारत लिखने, सरकारी विद्यालयों के प्रति बनी नकारात्मक धारणा को दूर करने हेतु की गयी है। सीडीओ नेहा बंधु ने कहा कि जनपद के लगभग 5000 शिक्षकों में से मिशन ज्योतिर्गमय हेतु 100 शिक्षकों का चयन किया गया है, जो अपने आप में एक बड़ी जिम्मेदारी और सम्मान की बात है, शिक्षकों को केवल एक शिक्षक के रूप में नहीं, बल्कि बेसिक शिक्षा के ब्रांड एंबेसडर के रूप में कार्य करना होगा।

बैठक में परियोजना निदेशक परियोजना निदेशक डी.आर.डी.ए. सतेन्द्र सिंह, प्राचार्य डायट विजय कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक सतीश कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दीपिका गुप्ता, जिला पूर्ति अधिकारी रमन मिश्रा, जिला समाज कल्याण अधिकारी अशोक कुमार, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी राजेश बघेल, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका बुद्धि प्रकाश, खण्ड विकास अधिकारी, खण्ड शिक्षाधिकारी आदि उपस्थित रहे।

तेल की बढ़ती कीमतों के खिलाफ उतरा किसान संगठन

मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन एसडीएम को सौंपा, कालाबाजारी पर रोक लगाने की मांग

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कुरावली/मैनपुरी। भारतीय किसान संगठन के पदाधिकारियों ने शनिवार को तहसील कार्यालय पहुंचकर एसडीएम शिव नरेश सिंह को मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस और खाद की बढ़ती कीमतों पर चिंता व्यक्त करते हुए इन पर नियंत्रण लगाने तथा कालाबाजारी रोकने की मांग की गई।

एसडीएम को दिए गए ज्ञापन में कहा गया कि पिछले कुछ दिनों से तेल, गैस और खाद की उपलब्धता को लेकर तरह-तरह की चचाएं सामने आ रही हैं। साथ ही इनकी बिक्री पर सीमाएं लगाए जाने की भी बातें कही जा रही हैं। इससे पेट्रोल, डीजल, गैस और खाद का संकट उत्पन्न होने की आशंका है। संगठन का कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले समय में गरीब, मजदूर और किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। भारतीय किसान संगठन के पदाधिकारियों ने सरकार से बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाने और आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी रोकने के लिए ठोस कार्रवाई करने की मांग की।

ज्ञापन देने वालों में जिला उपाध्यक्ष अरविंद शाक्य, सुनील कुमार शाक्य, फेरू सिंह यादव, रविंद्र शाक्य एवं रामप्रताप सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मकान सूचीकरण 85 प्रतिशत पूरा करने पर नगर आयुक्त ने कर्मियों को दी बधाई

मोर्निंग सिटी

अलीगढ़। जनगणना 2027 के पहले चरण के तहत अलीगढ़ नगर निगम क्षेत्र में मकान सूचीकरण और भवन गणना का कार्य तेजी से चल रहा है। नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया कि चारों जोन में लगभग 85 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। शेष कार्य को 20 जून से पहले पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।नगर आयुक्त ने निर्धारित समय से पहले कार्य पूरा करने वाले सुपरवाइजरों और प्रगणकों के उत्कृष्ट योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में नगर निगम के प्रगणकों और सुपरवाइजरों ने पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी से काम किया है।

सुपरवाइजर सर्किल संख्या 31 में राम अकबाल यादव, प्रवक्ता धर्म समाज इंटर कॉलेज के मार्गदर्शन में टीम ने सराहनीय काम किया। प्रगणक भगवान देवी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, महेशचंद्र प्रभारी प्रधानाध्यापक, कुलदीप कुमार सहायक अध्यापक, राजबाला वार्ष्णेय प्रधानाध्यापक, महेंद्रपाल शिक्षा मित्र और आशा शिक्षा मित्र ने आवंटित क्षेत्र का मकान सूचीकरण कार्य पूर्ण कर लिया है।इसी तरह जोन-2 के नौरंगाबाद वार्ड संख्या-9, सर्किल संख्या-26 में प्रगणक हंसराज सिंह, हर्षवर्धन, हर्षिता राना, डॉली रानी, विभा मिश्रा और हेमंत कुमार ने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उत्कृष्ट कार्य किया। इन सभी कर्मियों को सम्मानित किया गया।नगर आयुक्त ने बताया कि इस कार्य के सफल संचालन में चार्ज अधिकारी बेचन प्रसाद, सुपरवाइजर डॉ. जयवीर उपाध्याय और जोन-2 के सभी सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के समन्वित प्रयासों से जनगणना 2027 के तहत मकान सूचीकरण का काम प्रभावी ढंग से संपन्न किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि यह कार्य जनहित और राष्ट्रहित में अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी प्रगणकों, सुपरवाइजरों और संबंधित कार्मिकों की मेहनत से अलीगढ़ में जनगणना का काम व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ रहा है।

शिकोहाबाद में सनसनीखेज वारदात का 24 घंटे में खुलासा

अवैध तमंचा और कारतूस बरामद

मोर्निंग सिटी

फिरोजाबाद। शिकोहाबाद के यादव कॉलोनी क्षेत्र में डेढ़ वर्षीय मासूम बच्चे की हत्या से फैली सनसनी के बीच पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार हत्या के आरोपी ने गिरफ्तारी से बचने के लिए पुलिस टीम पर फायरिंग की, जिसके जवाब में की गई कार्रवाई में उसके पैर में गोली लग गई। घायल अवस्था में उसे गिरफ्तार कर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अपर पुलिस महानिदेशक आगरा जोन के निर्देशन, पुलिस उपमहानिरीक्षक आगरा परिक्षेत्र के पर्यवेक्षण तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद आदित्य लांग्हे के नेतृत्व में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई।

पुलिस के अनुसार 30 मई को शिकोहाबाद थाना क्षेत्र की यादव कॉलोनी में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई थी। आरोप है कि एक डेढ़ वर्षीय मासूम बच्चे को जमीन पर पटककर उसकी हत्या कर दी गई। घटना के संबंध में परिजनों की तहरीर पर थाना शिकोहाबाद में मु0अ0सं0 401/2026 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी आदित्य लांग्हे ने मामले के शीघ्र खुलासे और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए चार विशेष पुलिस टीमों का गठन किया था। शनिवार को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि मासूम की हत्या का आरोपी विराज उर्फ जितेन्द्र मैनपुरी रोड स्थित भूढ़ा भरथरा मोड़ के पास छिपते हुए घूम रहा है। सूचना मिलते ही थाना शिकोहाबाद पुलिस टीम ने क्षेत्र में घेराबंदी कर दी।

पुलिस के मुताबिक इसी दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति आता दिखाई दिया। जब पुलिस ने उसे रोकने का प्रयास किया तो उसने गिरफ्तारी से बचने के लिए पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। अचानक हुई फायरिंग से मौके पर तनावपूर्ण स्थिति बन गई। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लग गई। घायल होने के बाद उसे मौके पर ही पकड़ लिया गया। पूछताछ और पहचान के दौरान उसकी पहचान विराज उर्फ जितेन्द्र पुत्र विजेन्द्र पाल निवासी शेखूपुर, थाना सिविल लाइन, जनपद बदायूं के रूप में हुई। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक अवैध तमंचा 315 बोर, दो खोखा कारतूस और पांच जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपी को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। डेढ़ वर्षीय मासूम की हत्या जैसे संवेदनशील मामले में पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार करना बड़ी सफलता माना जा रहा है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी के खिलाफ हत्या और आर्म्स एक्ट समेत अन्य धाराओं में विधिक कार्रवाई की जा रही है। इस घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया था। वहीं आरोपी की गिरफ्तारी के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है। पुलिस का कहना है कि अपराधियों के खिलाफ अभियान आगे भी इसी तरह जारी रहेगा और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

1 जून से हाथरस-अलीगढ़ रूट की बसें ISBT नहीं, फाउंड्री नगर सैटेलाइट बस स्टेशन से चलेंगी

मोर्निंग सिटी

आगरा। हाथरस और अलीगढ़ रूट पर सफर करने वाले हजारों यात्रियों के लिए 1 जून से यात्रा व्यवस्था में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम, आगरा क्षेत्र ने निर्णय लिया है कि हाथरस, अलीगढ़ और इन मार्गों से जुड़े सभी आने-जाने वाले रूटों की बसों का संचालन अब आईएसबीटी से नहीं किया जाएगा। इसके बजाय ये बसें फाउंड्री नगर स्थित सैटेलाइट बस स्टेशन, टेढ़ी बगिया से संचालित होंगी। परिवहन निगम ने इस संबंध में चालकों, परिचालकों और यात्रियों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। क्षेत्रीय प्रबंधक द्वारा जारी सूचना के अनुसार 1 जून 2026 से हाथरस और अलीगढ़ रूट की कोई भी बस आईएसबीटी नहीं आएगी और न ही वहां से रवाना होगी। इन सभी बसों का संचालन केवल फाउंड्री नगर सैटेलाइट बस स्टेशन से किया जाएगा। इसके लिए चालक और परिचालकों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे निर्धारित आदेशों का पालन सुनिश्चित करें। यदि कोई बस आईएसबीटी से संचालित होती पाई गई तो संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। परिवहन निगम ने यात्रियों से भी नई व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए यात्रा की योजना बनाने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि हाथरस और अलीगढ़ जाने वाले यात्रियों को अब सीधे टेढ़ी बगिया स्थित सैटेलाइट बस स्टेशन पहुंचना होगा। यदि यात्री पूर्व की तरह आईएसबीटी पहुंचेंगे तो उन्हें संबंधित रूट की बसें नहीं मिलेंगी, जिससे उन्हें अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। यात्रियों की सुविधा के लिए परिवहन निगम ने सैटेलाइट बस स्टेशन का पूछताछ नंबर 8923004590 भी जारी किया है। यात्री बसों के संचालन, समय-सारणी और अन्य आवश्यक जानकारी के लिए इस नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। परिवहन विभाग के अधिकारियों के अनुसार यह निर्णय आईएसबीटी पर बढ़ते दबाव को कम करने और फाउंड्री नगर सैटेलाइट बस स्टेशन के बेहतर उपयोग के उद्देश्य से लिया गया है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद शहर के भीतर बसों की आवाजाही को अधिक व्यवस्थित करने में भी मदद मिलेगी। परिवहन निगम ने यात्रियों से अपील की है कि वे 1 जून से पहले इस बदलाव की जानकारी प्राप्त कर लें, ताकि यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

डीएम के आदेश पर होगी अतरौली में हुई पुलिस मुठभेड़ प्रकरण की मजिस्ट्रियल जांच

मोर्निंग सिटी अलीगढ़। थाना अतरौली क्षेत्र में 24 मई को हुई पुलिस मुठभेड़ में घायल होकर मृत हुए दो इनामी अभियुक्तों के प्रकरण की मजिस्ट्रियल जांच कराए जाने के आदेश दिए गए हैं। जिला मजिस्ट्रेट के अनुमोदन के उपरांत अपर नगर मजिस्ट्रेट द्वितीय, अलीगढ़ को जांच अधिकारी नामित किया गया है।अपर जिला मजिस्ट्रेट नगर किंशुक श्रीवास्तव ने बताया कि मुठभेड़ में घायल हुए 50-50 हजार रुपये के इनामी अभियुक्त मोमीन पुत्र जान मोहम्मद निवासी बुलन्दशहर और रजा मोहम्मद उर्फ रजुआ उर्फ बिन्ना पुत्र इम्तयाज निवासी हापुड़ को उपचार के लिए सीएचसी अतरौली ले जाया गया था, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की निष्पक्ष एवं विधिसम्मत जांच के लिए मजिस्ट्रियल जांच कराई जाएगी।

टीकरी भवापुर में घायल मिला राष्ट्रीय पक्षी मोर

मोर्निंग सिटी अलीगढ़। चण्डौस थाना क्षेत्र के टीकरी भवापुर गांव में एक राष्ट्रीय पक्षी मोर घायल अवस्था में मिला। ग्रामीणों ने इसकी सूचना तत्काल वन विभाग को दी। ग्रामीण बृजेश सूर्यवंशी ने बताया कि शुक्रवार की देर सांय एक मोर गांव में सड़क किनारे घायल पड़ा था। सूचना मिलने पर वन विभाग के दरोगा शिवराम सिंह मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने घायल मोर को वन दरोगा शिवराम सिंह के सुपुर्द कर दिया। वन दरोगा शिवराम सिंह ने जानकारी दी कि घायल मोर का उपचार कराया जाएगा। स्वस्थ होने के बाद उसे उसके अनुकूल प्राकृतिक वातावरण में छोड़ दिया जाएगा।

घरेलू कलह से परेशान महिलाने खाया जहरीला पदार्थ, मौत

मोर्निंग सिटी अलीगढ़। शनिवार को अकराबाद के मोहनपुर गांव में घरेलू कलह के चलते एक महिला ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। जानकारी के अनुसार, मोहनपुर निवासी अजय कुमार की 28 वर्षीय पत्नी कुमकुम ने शुक्रवार को जहरीले पदार्थ का सेवन किया था। इसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। परिजनों ने कुमकुम को तुरंत एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। शनिवार सुबह उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। अस्पताल के डॉक्टरों की सूचना पर थाना क्वार्सी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतक महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

सड़क हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

मोर्निंग सिटी अलीगढ़। जेएन मेडिकल कॉलेज में शनिवार को सड़क हादसे में घायल एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। युवक हरदोई से नोएडा नौकरी के लिए जा रहा था, तभी रास्ते में अज्ञात वाहन की टक्कर का शिकार हो गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार 32 वर्षीय महेंद्र सिंह पुत्र रामनाथ निवासी गढ़िया गांव, थाना लोनार, जनपद हरदोई के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, महेंद्र सिंह बेहतर रोजगार की तलाश में अपनी मोटरसाइकिल से नोएडा जा रहे थे। युवक को सिकंदराराऊ क्षेत्र के पास किसी अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें तत्काल अलीगढ़ के जेएन मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, । लेकिन गंभीर चोटों के कारण उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक के भतीजे कल्लू ने बताया कि महेंद्र सिंह परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। परिवार में उनकी पत्नी के अलावा दो बेटे और एक बेटी हैं, जिनका पालन-पोषण अब बड़ी चुनौती बन गया है। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उसकी पहचान तथा तलाश के लिए जांच शुरू कर दी है।

अपार्टमेंट की लिफ्ट के नीचे दबकर प्रॉपर्टी डीलर की मौत

मोर्निंग सिटी अलीगढ़। शनिवार को थाना क्वार्सी क्षेत्र के रामघाट रोड स्थित गंगा जवाहर कॉलोनी में एक बेहद दर्दनाक और रोंगटे खड़े कर देने वाला हादसा सामने आया है। एक त्रि-मंजिला अपार्टमेंट में खराब लिफ्ट के डक्ट (गड्ढे) में गिरने और फिर ऊपर से लिफ्ट आ गिरने के कारण प्रॉपर्टी डीलर हरिओम वर्मा की मौके पर ही मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, मैरिस रोड स्थित हरिओम नगर के रहने वाले 55 वर्षीय हरिओम वर्मा प्रॉपर्टी डीलर थे। शनिवार को वह गंगा जवाहर कॉलोनी स्थित तीन मंजिला रसिक अपार्टमेंट में रहने वाली आशा चैधरी को एक प्रॉपर्टी दिखाने के लिए बुलाने आए थे। अपार्टमेंट में प्रवेश करने के बाद हरिओम वर्मा ने ऊपर जाने के लिए लिफ्ट का बटन दबाया। लिफ्ट तकनीकी खराबी के कारण ऊपर ही अटकी हुई थी, लेकिन बटन दबाते ही ग्राउंड फ्लोर का सुरक्षा दरवाजा खुल गया। अंधेरा और भ्रम होने के कारण हरिओम वर्मा को लगा कि लिफ्ट नीचे आ चुकी है। जैसे ही उन्होंने कदम आगे बढ़ाया, वह सीधे लिफ्ट के गहरे डक्ट में जा गिरे। हरिओम वर्मा के नीचे गिरते ही ऊपर अटकी हुई लिफ्ट अचानक तेजी से नीचे आ गई और उनके ऊपर गिर गई। वह लिफ्ट के नीचे बुरी तरह दब गए। मौके पर मौजूद केयरटेकर इम्तियाज ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत छत की तरफ दौड़ लगाई और मशीनरी के जरिए लिफ्ट को ऊपर की तरफ खींचा। इसके बाद आनन-फानन में लहूलुहान हालत में हरिओम वर्मा को डक्ट से बाहर निकाला गया और तुरंत जेएन मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। हालांकि, डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक अपने चार भाइयों में सबसे बड़े थे। उनके परिवार में पत्नी, दो बेटे और एक बेटी है।

दिनेश कुमार बने नए आरटीओ (प्रवर्तन)

मोर्निंग सिटी अलीगढ़। उ.प्र. परिवहन विभाग बडा फेर बदल किया गया है, जिसमें नौ आरटीओ और 26 एआरटीओ को इधर से उधर किया है। इसर श्रंखला में अलीगढ़ परिवहन विभाग में दिनेश कुमार को नया आरटीओ (प्रवर्तन) और सत्येन्द्र कुमार को एआरटीओ (प्रशासन), अलीगढ़ की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

ई-साक्ष्य और एसआईडी को लेकर एसपी ग्रामीण ने समयबद्ध अपलोड के दिए निर्देश

मोर्निंग सिटी

अलीगढ़। विवेचनाओं में पारदर्शिता और गुणवत्ता लाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक ग्रामीण मनीष कुमार मिश्र ने शुक्रवार को ई-साक्ष्य एवं एसआईडी प्रणाली की समीक्षा बैठक की। पुलिस लाइन स्थित नवीन सभागार में आयोजित बैठक में जिले के सभी क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी और विवेचक मौजूद रहे। एसपी ग्रामीण ने सभी थाना प्रभारियों और विवेचकों को ई-साक्ष्य पोर्टल पर साक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से अपलोड करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभिलेखों का सुव्यवस्थित संधारण सुनिश्चित किया जाए। एसआईडी पोर्टल पर सभी आवश्यक प्रविष्टियां गुणवत्ता के साथ पूरी की जाएं। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। बैठक में लंबित विवेचनाओं की समीक्षा करते हुए एसपी ग्रामीण ने कार्रवाई में तेजी लाने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि ई-साक्ष्य और एसआईडी प्रणाली का प्रभावी क्रियान्वयन शासन की प्राथमिकता है। इससे न केवल जांच में पारदर्शिता आएगी बल्कि न्यायालय में मजबूत पैरवी भी संभव होगी। श्री मिश्र ने निर्देश दिया कि सभी विवेचक तकनीकी संसाधनों का अधिकतम उपयोग करें। घटनास्थल की वीडियोग्राफी, फोटोग्राफी, फिंगरप्रिंट और अन्य डिजिटल साक्ष्यों को तत्काल ई-साक्ष्य पर अपलोड किया जाए। एसआईडी पर केस डायरी, गवाहों के बयान और बरामदगी से जुड़ी प्रविष्टियां समय से अपडेट की जाएं। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण जांच से अपराधियों को सजा दिलाना आसान होगा। लापरवाही करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। बैठक में सीओ स्तर के अधिकारियों को अपने सर्किल में नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी दिए गए। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण ने जोर देकर कहा कि नई तकनीक का इस्तेमाल विवेचना की रीढ़ है। इससे पुलिसिंग में सुधार होगा और पीड़ितों को त्वरित न्याय मिल सकेगा। सभी थाना प्रभारियों को लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण करने के आदेश दिए गए हैं।

गांधीपार्क पुलिस ने गांजे के साथ शातिर तस्कर को दबोचा

मोर्निंग सिटी

अलीगढ़। थाना गांधीपार्क पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक शातिर अभियुक्त को 1 किलो 60 ग्राम अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी पर पहले से ही चोरी, लूट और आर्म्स एक्ट के कई मुकदमे दर्ज हैं। प्रभारी निरीक्षक विजय सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने शुक्रवार को थाना क्षेत्र में चेकिंग के दौरान आरोपी जूली उर्फ अजय पुत्र सोनपाल को पकड़ा। वह कुतुब की सराय, बाबरी मंडी, कोतवाली नगर का रहने वाला है। तलाशी में उसके पास से 1 किलो 60 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पूछताछ के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना गांधीपार्क में मु0अ0सं0 226/2026 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार जूली उर्फ अजय शातिर किस्म का अपराधी है। उसके खिलाफ जीआरपी जंक्शन थाने में भी कई मामले दर्ज हैं। प्रभारी निरीक्षक विजय सिंह ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को गांजे के साथ पकड़ा गया है। पूछताछ में नशे के अन्य सौदागरों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक प्रवीन कुमार, कांस्टेबल रोहित धामा और कांस्टेबल बालकराम शामिल रहे। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है। आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

निःशुल्क अभ्युदय कोचिंग के लिए अब 05 जून तक करें आवेदन

मोर्निंग सिटी

अलीगढ़। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री अभ्युदय योजनान्तर्गत सिविल सेवा परीक्षा ह्लह्लयूपीएससी-पीसीएस, नीट, जेईई प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निःशुल्क कोचिंग का संचालन रामघाट रोड स्थित एसएमबी इण्टर कॉलेज में किया जा रहा है।जिला समाज कल्याण अधिकारी विनित कुमार मलिक ने उक्त जानकारी देते हुए बताया है कि मुख्यमंत्री अभ्युदय सचिवालय लखनऊ द्वारा शैक्षिण सत्र 2026-27 के क्रियान्वयन के लिए संशोधित समय सारिणी निर्धारित कर दी गयी है, जिसके अनुसार अब 05 जून तक आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। इच्छुक अभ्यर्थी परीक्षा पूर्व कोचिंग के लिए विकास भवन स्थित जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय कमरा नंबर 06 से ऑफलाईन फार्म प्राप्त कर समस्त संलग्नों सहित कार्यालय में जमा कर सकते हैं।

किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए दूरभाष नंबर 8077299645 एवं 7827309160 पर प्रात 10:00 बजे से सायः 5:00 बजे तक सम्पर्क किया जा सकता है।उन्होंने प्रवेश के लिए पात्रता की जानकारी देते हुए बताया कि जेईई, नीट के लिए विज्ञान वर्ग के कक्षा 11 एवं 12 में अध्यनरत अथवा उत्तीर्ण छात्र पात्र होंगें।

सिविल सेवा परीक्षा यूपीएससी-पीसीएस परीक्षा के प्रशिक्षण के लिए स्नातक अंतिम वर्ष छात्र अथवा स्नातक उत्तीर्ण छात्र एवं एनडीए, सीडीएस, क्लैट, एसएससी बैंकिंग, उत्तर प्रदेश अधीनस्थ चयन आयोग, टीजीटी व पीजीटी परीक्षाओं की शैक्षिण अर्हताऐं भी सम्बन्धित प्रतियोगी परीक्षा के अनुरूप होंगी। योजनान्तर्गत जिला स्तरीय गठित समिति के निर्णयानुसार छात्र-छात्राओं का प्रवेश कर कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है।

आईजीआरएस निस्तारण में लापरवाही पर डीएम का बड़ा एक्शन, 33 अधिकारियों का वेतन रोका

मोर्निंग सिटी

अलीगढ़। शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल आईजीआरएस शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण को लेकर जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने कड़ा रुख अपनाते हुए बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की है। आईजीआरएस संदर्भों के निस्तारण की गुणवत्ता एवं शिकायतकताओं से प्राप्त संतोषजनक फीडबैक की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने पाया कि 33 अधिकारियों के स्तर पर शिकायतों के निस्तारण के बावजूद 50 प्रतिशत से भी कम संतोषजनक फीडबैक प्राप्त हुआ है।जनशिकायतों के निस्तारण में इस गंभीर लापरवाही को देखते हुए जिलाधिकारी ने तत्काल प्रभाव से सभी 33 अधिकारियों के वेतन आहरण पर रोक लगाने के निर्देश जारी कर दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि संबंधित अधिकारियों से स्पष्टीकरण प्राप्त किया जाएगा और यदि उनका उत्तर संतोषजनक नहीं पाया गया तो वेतन पर लगी रोक बरकरार रहेगी और उनके विरुद्ध अग्रिम विभागीय कार्यवाही भी प्रस्तावित की जाएगी।जिलाधिकारी ने कहा कि आईजीआरएस केवल शिकायतों के निस्तारण की औपचारिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि शासन की जनउत्तरदायी व्यवस्था का महत्वपूर्ण माध्यम है। शिकायतकर्ता की संतुष्टि ही निस्तारण की वास्तविक कसौटी है और इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। समीक्षा के दौरान यह भी पाया गया कि 57 अधिकारियों का संतोषजनक फीडबैक 60 प्रतिशत से कम है। इस पर जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी को ऐसे सभी अधिकारियों की विशेष समीक्षा करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी के निदेर्शों के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा 60 प्रतिशत से कम संतोषजनक फीडबैक प्राप्त करने वाले 57 अधिकारियों के साथ वर्चुअल समीक्षा बैठक भी आयोजित की गई।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि आईजीआरएस शिकायतों का निस्तारण पूरी संवेदनशीलता, तथ्यपरकता एवं गुणवत्ता के साथ किया जाए और न्यूनतम 70 प्रतिशत संतोषजनक फीडबैक प्राप्त करना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसी अधिकारी का संतोषजनक फीडबैक 70 प्रतिशत से कम पाया जाता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। जिलाधिकारी की इस सख्त कार्रवाई से प्रशासनिक तंत्र में स्पष्ट संदेश गया है कि जनशिकायतों के निस्तारण में लापरवाही, औपचारिकता अथवा उदासीनता किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी और शिकायतकताओं को संतुष्ट करने वाले गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को ही प्राथमिकता दी जाएगी।

दांव पर लग रहे थे हजारों रुपये, पुलिस ने खेल बिगाड़ा

आगरा। ग्रामीण इलाके के एक खेत में हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे लोगों की महफिल उस समय बिखर गई, जब थाना एकता पुलिस ने अचानक छापा मार दिया। पुलिस की कार्रवाई के दौरान तीन जुआरियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि कुछ लोग अंधेरे और खेतों का फायदा उठाकर फरार होने में सफल रहे। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से नकदी, ताश के पत्ते और पांच मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। जानकारी के अनुसार थाना एकता पुलिस टीम 29 मई को क्षेत्र में गश्त और संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम बुढ़ाना से पहले एक खेत के पास कुछ लोग हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हो गई और बताए गए स्थान पर पहुंचकर घेराबंदी कर दी। अचानक हुई पुलिस कार्रवाई से जुआ खेल रहे लोगों में अफरा-तफरी मच गई। कई लोग भागने का प्रयास करने लगे, लेकिन पुलिस ने मौके से कालीचरन, अनिल और कमल को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 52 ताश के पत्ते, 12,500 रुपये की नकदी और पांच मोटरसाइकिलें बरामद की गईं। गिरफ्तार आरोपियों में कालीचरन निवासी ग्राम सौरारा जनपद फिरोजाबाद, अनिल निवासी ग्राम बौदला थाना जगदीशपुरा और कमल निवासी ग्राम मजाछरा शामिल हैं। वहीं पुलिस ने बताया कि शेरा, सुग्रीव राठौर और अन्य अज्ञात व्यक्ति मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए भी दबिश दी जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सार्वजनिक स्थानों और ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। कानून व्यवस्था को प्रभावित करने वाले तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और किसी को भी कानून हाथ में लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

कानून के शिकंजे से नहीं बच पाया गैंगस्टर, सींगना मोड़ से दबोचा गया वांछित आरोपी

मोर्निंग सिटी

आगरा। अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सिकंदरा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। गैंगस्टर एक्ट में वांछित चल रहे एक आरोपी को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट आगरा के निर्देशन तथा पुलिस उपायुक्त नगर के पर्यवेक्षण में जनपद भर में अपराध नियंत्रण और वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना सिकंदरा पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त और संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि गैंगस्टर एक्ट में वांछित आरोपी सींगना मोड़ के पास मौजूद है और कहीं जाने की फिराक में है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की वांछित आरोपी गौरव पुत्र सुरेंद्र सिंह को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी हरियाणा के जिला गुरुग्राम के थाना सोहना सदर क्षेत्र स्थित ग्राम लौह सिंघानी का निवासी बताया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपी लंबे समय से वांछित चल रहा था और उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। आरोपी की गिरफ्तारी से संबंधित मामलों की जांच को भी गति मिलेगी। इस कार्रवाई में थाना सिकंदरा पुलिस की सक्रियता और सतर्कता की सराहना की जा रही है। विशेष रूप से रुनकता चौकी प्रभारी नीलेश शर्मा और पुलिस टीम की त्वरित कार्रवाई के चलते वांछित आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता मिली।

वहीं प्रभारी निरीक्षक प्रदीप त्रिपाठी के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई को अपराधियों के खिलाफ कमिश्नरेट पुलिस की सख्त नीति का हिस्सा माना जा रहा है। पुलिस का कहना है कि अपराधियों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। गैंगस्टर एक्ट के आरोपी की गिरफ्तारी से क्षेत्र में अपराधियों के बीच हड़कंप का माहौल है, वहीं आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा और मजबूत हुआ है।

खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई जारी, आइसक्रीम और कुल्फी के नमूने जांच को भेजे

मोर्निंग सिटी

हाथरस। ग्रीष्म ऋतु के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

शासन के निदेर्शों एवं जिलाधिकारी के आदेश के क्रम में सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय रणधीर सिंह तथा मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज कुमार गुप्ता के नेतृत्व में शनिवार को विभिन्न प्रतिष्ठानों पर सैंपलिंग की कार्रवाई की गई।अभियान के दौरान कोटा स्थित विनोद कुमार पुत्र वेणी राम की आइसक्रीम फैक्ट्री से कुल्फी घोल का नमूना संदेह के आधार पर जांच हेतु लिया गया। इसके अलावा जवाहर बाजार स्थित निशिता एंटरप्राइजेज से क्वालिटी वाल्स वनीला आइसक्रीम का नमूना संग्रहित किया गया।इसी क्रम में एसडीएम कोर्ट के पास स्थित मनोज कुमार पुत्र रामेश्वर जाट के प्रतिष्ठान से भी वनीला आइसक्रीम का नमूना लेकर परीक्षण के लिए सुरक्षित किया गया। विभागीय अधिकारियों ने सभी नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिया है।मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि प्रयोगशाला से रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनपद में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा और मिलावट अथवा मानकों के विपरीत खाद्य सामग्री पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।अभियान में खाद्य सुरक्षा अधिकारी पारुल सिंह, सुरेंद्र कुमार गोंड, ओमकार कुशवाहा तथा करतार सिंह भी शामिल रहे।

एक शव पर दो परिवारों का दावा, डीएनए जांच के बाद परिजनों को सौंपा गया शव

मोर्निंग सिटी

हाथरस। थाना क्षेत्र के अंतर्गत इगलास राजमार्ग स्थित जय दुर्गा धाम कॉलोनी के निकट मिले एक अज्ञात युवक के शव को लेकर उत्पन्न विवाद का आखिरकार समाधान हो गया। एक ही शव पर दो अलग-अलग परिवारों द्वारा दावा किए जाने के कारण मामला कई दिनों तक चर्चा का विषय बना रहा। डीएनए जांच और प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव को संबंधित परिजनों को सौंप दिया गया।

जानकारी के अनुसार 9 मई को जय दुर्गा धाम कॉलोनी के पास एक युवक का शव बरामद हुआ था। सबसे पहले गढ़ौआ निवासी साबिर ने शव की पहचान अपने 25 वर्षीय पुत्र हाशिम के रूप में की थी, जो 2 मई से लापता था। साबिर ने मृतक के कपड़ों और सैंडल के आधार पर पहचान करते हुए गांव के कुछ लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा भी दर्ज कराया था।मामला उस समय और जटिल हो गया जब लहौर्रा निवासी नौरंगी लाल ने दावा किया कि शव उनके 32 वर्षीय पुत्र सुसा उर्फ सुभाष का है, जो 5 मई से लापता था। उन्होंने मृतक के हाथ में बंधे कड़े, लाल टी-शर्ट और जाहरवीर बाबा के टैटू के आधार पर शव की पहचान की।एक ही शव पर दो परिवारों के दावे के चलते पुलिस के सामने पहचान की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई। निष्पक्ष जांच के लिए पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया तथा फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड की मदद से आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए अंतिम पहचान के लिए डीएनए जांच कराई गई।इस दौरान लहौर्रा निवासी परिजन लगातार पुलिस और प्रशासन से शव सौंपने की मांग कर रहे थे।

आखिरकार 30 मई को सासनी पुलिस और तहसीलदार रजत कुमार की मौजूदगी में प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी की गई। इसके बाद शव को कब्रिस्तान से निकलवाकर आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूर्ण की गईं और परिजनों को सौंप दिया गया।पुलिस का कहना है कि मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट और डीएनए जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। जांच जारी है और सभी तथ्यों का परीक्षण कर घटना की वास्तविकता सामने लाई जाएगी।

हत्या के प्रयास के मामले में नामजद आरोपी गिरफ्तार, तमंचा व कारतूस बरामद

मोर्निंग सिटी

हाथरस। थाना हाथरस गेट पुलिस ने हत्या के प्रयास के एक मामले में कार्रवाई करते हुए नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा, एक खोखा कारतूस तथा एक जिंदा कारतूस बरामद किया है।पुलिस के अनुसार 18 मई 2026 को एक महिला ने थाना हाथरस गेट में तहरीर देकर बताया था कि वह अपने पुत्र के साथ दुकान पर बैठी थी।

इसी दौरान हर्ष अपने साथियों के साथ वहां पहुंचा और उसके पुत्र को आवाज लगाई। जैसे ही उसका पुत्र दुकान से बाहर आया, आरोपियों ने उस पर जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया। घटना के संबंध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना हाथरस गेट में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था।मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा ने अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में थाना हाथरस गेट पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हत्या के प्रयास के मुकदमे में नामजद आरोपी हर्ष उर्फ देवेन्द्र को आरटीओ कार्यालय के पास से गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपी की पहचान हर्ष उर्फ देवेन्द्र पुत्र संजीव निवासी वाटर वर्क्स कॉलोनी, थाना हाथरस गेट, जनपद हाथरस के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा 315 बोर, एक जिंदा कारतूस तथा एक खोखा कारतूस बरामद किया गया।पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा संख्या 220/26 में भारतीय न्याय संहिता की धारा 109(1), 351(2), 324(4) तथा आयुध अधिनियम की धारा 9/25/27 के तहत कार्रवाई की है। आरोपी के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तारी की कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक नितिन कसाना के नेतृत्व में थाना हाथरस गेट पुलिस टीम द्वारा की गई।

आयुष आपके द्वार शिविर में 120 मरीजों की जांच, नि:शुल्क दवाएं वितरित

मोर्निंग सिटी

हाथरस। आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु के निदेर्शानुसार संचालित "आयुष आपके द्वार" कार्यक्रम के अंतर्गत शनिवार को हाथरस जंक्शन क्षेत्र के गांव मेंडू में एक विशाल आउटरीच स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का संचालन क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी (अलीगढ़) डॉ. नरेंद्र कुमार के निर्देशन में किया गया।यह स्वास्थ्य शिविर राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय बस्तोई, राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय मेंडू तथा राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय बरवाना के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। शिविर में कुल 120 मरीजों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें रोगानुसार चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। साथ ही सभी मरीजों को आवश्यकता अनुसार नि:शुल्क औषधियों का वितरण भी किया गया।चिकित्सकों की टीम ने ग्रामीणों को ग्रीष्म ऋतु के दौरान स्वास्थ्य संरक्षण के लिए आहार-विहार संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। इसके अलावा योग और प्राणायाम को दैनिक जीवन में अपनाने तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के उपायों पर भी विस्तार से जानकारी दी गई।शिविर में मरीजों की जांच और दवा वितरण के लिए विशेष काउंटर स्थापित किए गए थे। इस दौरान डॉ. अर्चना, डॉ. देवराज, फार्मासिस्ट डॉ. प्रदीप कुमार तथा डॉ. शिखा ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया।शिविर की व्यवस्थाओं में वार्ड बॉय भूपेंद्र, ममता, रामवीर, मोनू तथा सुनील ने महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। ग्रामीणों ने शिविर के आयोजन की सराहना करते हुए इसे स्वास्थ्य सेवाओं को घर-घर तक पहुंचाने की प्रभावी पहल बताया।

सावधान! कहीं आपके घर पहुंच रहा नकली देशी घी तो नहीं?

मोर्निंग सिटी

हाथरस। जिले में नकली देशी घी के कारोबार को लेकर एक बार फिर चचाओं का बाजार गर्म है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि शुद्ध देशी घी के नाम पर बाजार में बड़े पैमाने पर मिलावटी और नकली घी बेचा जा रहा है, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। बताया जा रहा है कि कम लागत में तैयार किए जा रहे इस घी को असली घी के रूप में बेचकर उपभोक्ताओं की जेब और सेहत दोनों पर चोट की जा रही है।क्षेत्रीय लोगों का दावा है कि जिले और आसपास के इलाकों में कुछ स्थानों पर नकली घी तैयार किया जाता है, जिसे एजेंटों के माध्यम से कस्बों और ग्रामीण बाजारों तक पहुंचाया जाता है। कम कीमत होने के कारण लोग इसे खरीद लेते हैं, लेकिन उन्हें इसकी गुणवत्ता और शुद्धता की वास्तविकता का अंदाजा नहीं होता।चचाओं के अनुसार नकली घी तैयार करने में विभिन्न प्रकार के वसा युक्त पदार्थों और अन्य सामग्री का इस्तेमाल किया जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि यदि किसी खाद्य पदार्थ में मिलावट की जाती है तो उसका लगातार सेवन शरीर के लिए नुकसानदायक हो सकता है और इससे विभिन्न स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।स्थानीय लोगों का आरोप है कि समय-समय पर शिकायतें होने के बावजूद खाद्य सुरक्षा और संबंधित विभागों की ओर से अपेक्षित स्तर पर कार्रवाई दिखाई नहीं देती। यही कारण है कि मिलावटी खाद्य पदार्थों का कारोबार करने वालों के हौसले बुलंद बने हुए हैं। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन लोगों के बीच यह चर्चा लगातार बनी हुई है कि बिना प्रभावी निगरानी के ऐसा कारोबार लंबे समय तक चल पाना संभव नहीं है।जानकारों का कहना है कि उपभोक्ताओं को बेहद सस्ते दाम पर मिलने वाले घी और प्रतिष्ठित ब्रांडों से मिलते-जुलते पैकेजिंग वाले उत्पादों से सतर्क रहना चाहिए। कई बार मिलावटी उत्पादों को इस तरह पैक किया जाता है कि आम व्यक्ति असली और नकली में अंतर नहीं कर पाता।

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की मांग को लेकर 2 जून से अनिश्चितकालीन धरना

मोर्निंग सिटी

हाथरस। जनपद की स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और विभिन्न जनहितकारी मांगों को लेकर भारतीय किसान यूनियन (भानु) द्वारा 2 जून, मंगलवार से तालाब चौराहा, हाथरस पर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू किया जाएगा। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष (व्यापार प्रकोष्ठ) कृष्णकांत रावत ह्यचमरुआ चालेह्न के नेतृत्व में होने वाले इस आंदोलन की घोषणा एक प्रेस वार्ता के दौरान की गई।प्रेस वार्ता में बताया गया कि संगठन लंबे समय से जनपद की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं में सुधार की मांग कर रहा है, लेकिन समस्याओं का समाधान नहीं होने के कारण धरना-प्रदर्शन का निर्णय लिया गया है। प्रमुख मांगों में हाथरस मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कर उसे संचालित करना, जिला अस्पताल की इमरजेंसी सेवाओं को सुदृढ़ बनाना, करोड़ों रुपये की लागत से खरीदे गए वेंटिलेटरों को तत्काल चालू करना तथा बागला जिला अस्पताल में 24 घंटे सरकारी मेडिकल स्टोर की सुविधा उपलब्ध कराना शामिल है।

इसके अलावा जिला अस्पताल में एमआरआई जांच सुविधा शुरू करने, सीटी स्कैन केंद्र पर दोपहर 2 बजे के बाद भी चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, डायलिसिस सेंटर में हेपेटाइटिस-बी संक्रमित मरीजों के लिए विशेष व्यवस्था करने तथा नशा मुक्ति केंद्र में स्वीकृत बजट और सुविधाओं के अनुरूप चौबीसों घंटे स्टाफ तैनात करने की मांग उठाई गई है।संगठन ने दिव्यांगजनों की जांच के लिए उपलब्ध मशीनों का उपयोग सुनिश्चित करते हुए उन्हें बाहर रेफर करने की प्रक्रिया बंद करने, ग्रामीण क्षेत्रों के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में 24 घंटे मेडिकल स्टोर संचालित करने तथा बागला अस्पताल एवं सीएचसी केंद्रों से मरीजों को आयुष्मान कार्ड के नाम पर निजी अस्पतालों में भेजे जाने के मामलों की जांच कराने की भी मांग की है।धरना-प्रदर्शन की अन्य मांगों में जिला अस्पताल के अल्ट्रासाउंड केंद्र पर पर्चा वितरण का समय बढ़ाना तथा भीड़ न होने की स्थिति में सुबह 8-9 बजे के बाद पर्चे बंद करने की व्यवस्था समाप्त करना शामिल है।प्रेस वार्ता में प्रवीण खंडेलवाल, मदन मोहन गौड़, रवि चौहान, सुनील अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, सुमित वाष्णेय, ऋषि, योगेश वाष्णेय, संदीप ठाकुर, छोटू राणा, मोहित चौहान सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

पत्नी से विवाद के बाद युवक ने खाया जहरीला पदार्थ, मेडिकल कॉलेज रेफर

मोर्निंग सिटी

हाथरस। कोतवाली चंदपा क्षेत्र में घरेलू विवाद के बाद एक युवक द्वारा कथित रूप से जहरीला पदार्थ सेवन करने का मामला सामने आया है। युवक की हालत बिगड़ने पर परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।जानकारी के अनुसार युवक का अपनी पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। बताया जा रहा है कि कहासुनी के बाद युवक ने आवेश में आकर जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। कुछ देर बाद उसकी तबीयत अचानक बिगड़ने लगी, जिससे परिजनों में हड़कंप मच गया।परिजन युवक को तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसका प्राथमिक उपचार किया। हालत गंभीर होने पर बेहतर उपचार के लिए उसे अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और घटना से जुड़े सभी तथ्यों की जानकारी जुटाई जा रही है।वहीं मेडिकल कॉलेज में युवक का उपचार चिकित्सकों की निगरानी में जारी है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

किशोर का शव मिलने से सनसनी, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

मोर्निंग सिटी

हाथरस। हाथरस जंक्शन क्षेत्र में 16 वर्षीय एक किशोर का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से सनसनी फैल गई। घटना के बाद परिवार में शोक और क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।मृतक की पहचान मिजार्पुर निवासी बंटी पुत्र जानकी प्रसाद के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार बंटी शुक्रवार को जिम करने गया था। शाम को मौसम खराब होने के बावजूद वह घर लौटने के लिए निकला, लेकिन देर रात तक घर नहीं पहुंचा। इसके बाद परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की।तलाश के दौरान बंटी का शव भोपतपुर गांव के पास पड़ा मिला। शव मिलने की सूचना पर परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।मृतक के ताऊ अतर सिंह ने आरोप लगाया कि बारिश के दौरान बंटी महानवई स्थित एक मदरसे में रुका था, जहां उसकी हत्या कर दी गई और बाद में शव को भोपतपुर के पास फेंक दिया गया। परिजनों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।वहीं पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में मामला सड़क दुर्घटना से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है।घटना के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हैं, जबकि परिजन मामले की गहन जांच और न्याय की मांग कर रहे हैं।

हत्या के प्रयास के दोषी को पांच वर्ष का सश्रम कारावास, सात हजार रुपये अर्थदंड

मोर्निंग सिटी

हाथरस। उत्तर प्रदेश पुलिस के "ऑपरेशन कन्विक्शन" अभियान के तहत प्रभावी पैरवी और सशक्त साक्ष्यों के आधार पर हत्या के प्रयास के एक मामले में माननीय न्यायालय ने आरोपी को दोषी करार देते हुए पांच वर्ष के सश्रम कारावास तथा सात हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है।पुलिस के अनुसार थाना हाथरस गेट में वर्ष 2024 में मुकदमा संख्या 109/2024 धारा 307/34 भारतीय दंड संहिता एवं 3/25/27 आर्म्स एक्ट के तहत गौरव यादव पुत्र प्रमोद यादव निवासी नया नगला, थाना हाथरस गेट, जनपद हाथरस के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया था।मामले की विवेचना तत्परता एवं गुणवत्ता के साथ पूरी करते हुए पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। इसके बाद शासन के निदेर्शों तथा पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित "ऑपरेशन कन्विक्शन" अभियान के अंतर्गत चिन्हित अभियोगों की विशेष मॉनिटरिंग की गई।पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद की मॉनिटरिंग सेल ने मामले की लगातार निगरानी की तथा न्यायालय में विचारण के दौरान अभियोजन पक्ष द्वारा प्रभावी पैरवी की गई।

हाथरस के लिए अलर्ट जारी, अगले पांच दिनों तक होगी आंधी-बारिश व ओलावृष्टि, बेवजह घर से न निकलें

मोर्निंग सिटी

हाथरस जिले में 30 मई से दो जून के बीच मौसम का मिजाज पूरी तरह बदलने वाला है। इस दौरान स्थानीय स्तर पर गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश और ओलावृष्टि होगी।

हाथरस में मौसम ने 29 मई की शाम को फिर करवट बदली। तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश हुई, जिससे मौसम सुहावना हो गया और लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर और भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले पांच दिनों तक जिले में आंधी, बारिश व ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है 29 मई सुबह तेज धूप के साथ दिन की शुरूआत हुई। दोपहर तक गर्मी और उमस ने लोगों को परेशान किए रखा, लेकिन शाम करीब छह बजे अचानक आसमान में काले बादल छा गए। तेज हवाएं चलने लगीं और बिजली चमकने के साथ हल्की बूंदाबांदी शुरू हो गई। मौसम बदलते ही तापमान में गिरावट दर्ज की गई। 29 मई को अधिकतम तापमान 39.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवाएं करीब 90 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से चली। आपदा प्रबंधन विभाग के समन्वयक लेखराज के अनुसार 30 मई को भी मौसम खराब रहने की संभावना है। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर और भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के पूवार्नुमान के अनुसार हाथरस जिले में 30 मई से दो जून के बीच मौसम का मिजाज पूरी तरह बदलने वाला है। इस दौरान स्थानीय स्तर पर गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश और ओलावृष्टि होगी। अधिकतम तापमान 32 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है, जो सामान्य से 3-4 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा, जबकि न्यूनतम तापमान 22 से 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। हवा के झोंकों की गति सामान्य से 7-8 किलोमीटर प्रति घंटा अधिक हो सकती है। कृषि विभाग ने सलाह दी है कि वर्तमान में मक्का में दाना भरने और उड़द-मूंग में फली बनने की अवस्था है, जो नमी के प्रति बेहद संवेदनशील है। यदि बारिश न हो, तभी आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें। मक्का में तना बेधक और उड़द में फली बेधक कीट की रोकथाम के लिए आसमान साफ होने पर इमामेक्टिन बेंजोएट या डाइमेथोएट का छिड़काव करें।

श्रीमद् भागवत कथा मोक्ष का सबसे सुलभ मार्ग : संतोष भारद्वाज

मोर्निंग सिटी

हाथरस। क्षेत्र के गांव दरकौला में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के दूसरे दिन भक्तिमय वातावरण में श्रद्धालुओं ने कथा श्रवण कर धर्म लाभ प्राप्त किया। कथा व्यास संतोष भारद्वाज ने श्रीमद्भागवत कथा के महत्व का वर्णन करते हुए इसे मोक्ष प्राप्ति का सबसे सुलभ और सीधा मार्ग बताया।शनिवार को आयोजित कथा में संतोष भारद्वाज ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा का श्रद्धापूर्वक श्रवण करने मात्र से जीव का कल्याण होता है। कलयुग में भटकाव से बचने और जीवन को सही दिशा देने का सबसे सरल साधन भगवान की कथा है।

उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत साक्षात भगवान श्रीकृष्ण का वाङ्मय स्वरूप है, जिसके स्मरण और श्रवण से जन्म-जन्मांतर के पापों का नाश होता है।कथा के दौरान उन्होंने कहा कि संसार के सभी रिश्ते, वैभव और धन-दौलत यहीं रह जाते हैं, जबकि परमात्मा का नाम ही जीव के साथ परलोक तक जाता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से जीवन में संतों का सानिध्य प्राप्त करने और नियमित रूप से हरि कथा सुनने का आह्वान किया। उनका कहना था कि जब तक जीवन में संतों की कृपा और भगवान की कथा का श्रवण नहीं होता, तब तक अज्ञानता का अंधकार दूर नहीं हो सकता।कथा के मुख्य यजमान के रूप में राजा परीक्षित बने सुनील कुमार सिंह एवं रेखा सिंह ने यज्ञाचार्य विनोद पाठक और निशा पाठक के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पवित्र पोथी तथा व्यास पीठ का विधि-विधान से पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।इस अवसर पर धर्मपाल सिंह, सुरेंद्र, सौरव, भरत, जगत, शेखर, चटन, विनय, अनुज, कान्हा ठाकुर, हरपाल सिंह, विरजेश, उपेंद्र सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। कथा के समापन पर आरती हुई तथा सभी भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया।

हाथरस में लोगों को गर्मी से मिली राहत, तापमान में गिरावट

मोर्निंग सिटी

हाथरस में लगातार दूसरे दिन मौसम का मिजाज बदला नजर आया। शुक्रवार शाम करीब 7 बजे अचानक धूल भरी आंधी चली और आसमान में तेज बिजली चमकने लगी। इसके बाद शाम 7:30 बजे से रिमझिम बारिश शुरू हो गई, जो करीब डेढ़ घंटे तक जारी रही। बारिश होने से लोगों को भीषण गर्मी से काफी राहत मिली। कई दिनों से पड़ रही तपिश के बाद मौसम सुहावना हो गया। बारिश के दौरान लोग खुद को बचाने के लिए छातों का सहारा लेते दिखाई दिए। मौसम में बदलाव का असर तापमान पर भी पड़ा। गुरुवार को जिले का अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 31 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जबकि शुक्रवार को तापमान में गिरावट दर्ज हुई और अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम 24 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। हालांकि बारिश के चलते शहर के कुछ इलाकों में बिजली व्यवस्था प्रभावित हो गई।

मानसून से पहले जलभराव रोकने को डीएम ने किया नालों और पंपिंग स्टेशन का निरीक्षण

मोर्निंग सिटी

हाथरस। आगामी वर्षा ऋतु के दौरान नगर क्षेत्र में जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो, इसके लिए जिलाधिकारी अतुल वत्स ने शनिवार को नगर पालिका परिषद क्षेत्र का भ्रमण कर नालों की चल रही सिल्ट सफाई व्यवस्था का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सफाई कार्य में तेजी लाने पर जोर दिया।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने नालों की सफाई से निकलने वाली सिल्ट और मलबे को तत्काल हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सफाई कार्य के साथ-साथ निकाले गए कूड़े और मलबे का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो और सड़कों को नुकसान से बचाया जा सके।जिलाधिकारी ने कहा कि जिला प्रशासन आगामी मानसून को देखते हुए जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए गंभीरता से कार्य कर रहा है। नगर क्षेत्र के ड्रेनेज प्लान की समीक्षा पहले ही की जा चुकी है और नगर पालिका द्वारा उसके अनुरूप कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि हाल ही में थर्ड पार्टी एजेंसी के माध्यम से विशेष सफाई अभियान शुरू कराया गया है, जिसकी गुणवत्ता और प्रगति का निरीक्षण करने के लिए वह स्वयं मौके पर पहुंचे हैं।निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर नालों से निकाली गई सिल्ट सड़क किनारे पड़ी मिली, जिस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए अधिशासी अधिकारी को तत्काल मलबा हटवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यदायी संस्था को निर्धारित समय सीमा में मलबा हटाने की जिम्मेदारी दी गई है और इसका सख्ती से पालन कराया जाएगा।जिलाधिकारी ने नगर क्षेत्र के दुकानदारों और व्यापारियों से स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने की अपील करते हुए कहा कि सड़कों और नालों के किनारे किए गए अतिक्रमण तथा अवैध पार्किंग जल निकासी व्यवस्था में बाधा उत्पन्न करते हैं। यदि अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो प्रशासन विशेष अभियान चलाकर नियमानुसार कार्रवाई करेगा।इसके बाद जिलाधिकारी ने मुरसान गेट स्थित सीवेज पंपिंग स्टेशन का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्हें बताया गया कि इस पंपिंग स्टेशन पर वार्ड संख्या 12, 30 और 31 का वर्षा जल एवं अपशिष्ट जल एकत्रित होता है, जिसे पंपों के माध्यम से नाले में प्रवाहित किया जाता है। जिलाधिकारी ने पंपिंग स्टेशन की क्षमता, कार्यप्रणाली और मानसून के दौरान निर्बाध संचालन की तैयारियों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (प्रशासन), प्रभारी अधिकारी स्थानीय निकाय, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद हाथरस सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

आकाशीय बिजली का कहर: प्राचीन शिव मंदिर का गुंबद ध्वस्त, शिवलिंग सुरक्षित

तेज धमाके से दहला गांव, मंदिर के दरवाजे उखड़े; श्रद्धालु बोले—भोलेनाथ की कृपा से पूजा स्थल सुरक्षित

मोर्निंग सिटी संवाददाता

फतेहपुर सीकरी। क्षेत्र के ग्राम करही में शुक्रवार देर रात आई तेज आंधी, तूफान और बारिश के बीच आकाशीय बिजली गिरने से एक प्राचीन शिव मंदिर क्षतिग्रस्त हो गया। बिजली गिरने की तीव्रता इतनी अधिक थी कि मंदिर का गुंबद टूटकर क्षतिग्रस्त हो गया और मुख्य दरवाजे उखड़कर दूर जा गिरे। हालांकि इस भयावह घटना के बावजूद मंदिर के गर्भगृह में स्थापित शिवलिंग और पूजा स्थल पूरी तरह सुरक्षित रहे।

इसे लेकर ग्रामीणों और श्रद्धालुओं में आश्चर्य और आस्था का माहौल देखने को मिला। जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात क्षेत्र में मौसम अचानक खराब हो गया था। तेज हवाओं, गर्जना और मूसलाधार बारिश के बीच आकाशीय बिजली लगातार चमक रही थी। इसी दौरान ग्रामीणों ने एक जोरदार धमाके की आवाज सुनी, जिससे पूरे गांव में दहशत फैल गई। रात के अंधेरे और खराब मौसम के कारण कोई भी व्यक्ति मौके तक नहीं पहुंच सका।

सुबह सामने आया नुकसान का भयावह मंजर

शनिवार सुबह जब मंदिर की देखरेख करने वाले लोग और ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो मंदिर की स्थिति देखकर हैरान रह गए। मंदिर के गुंबद का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो चुका था और मुख्य दरवाजे अपनी जगह से उखड़कर दूर जा गिरे थे। आसपास निर्माण सामग्री और मलबा बिखरा पड़ा था। घटना की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और श्रद्धालु मंदिर पहुंच गए। लोगों ने नुकसान का जायजा लिया और मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना कर भगवान शिव का आशीर्वाद लिया। ग्रामीणों का कहना है कि जिस स्थान पर बिजली गिरी, वहां भारी नुकसान हुआ है, लेकिन मंदिर के भीतर स्थित शिवलिंग और पूजा स्थल को किसी प्रकार की क्षति नहीं पहुंची। इस बात को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष आस्था और भावनात्मक माहौल देखने को मिला। कई लोगों ने इसे भगवान शिव की कृपा और चमत्कार से जोड़कर देखा।

बिल्ड फॉर सक्सेस डिग्री कॉलेज के प्रबंधक विश्वेंद्र सरपंच ने बताया कि आकाशीय बिजली गिरने से मंदिर के गुंबद और दरवाजों को गंभीर नुकसान पहुंचा है। हालांकि गर्भगृह में स्थापित शिवलिंग और पूजा स्थल पूरी तरह सुरक्षित हैं, जो राहत की बात है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि मंदिर की ऐतिहासिक और धार्मिक महत्ता को देखते हुए जल्द से जल्द मरम्मत और संरक्षण का कार्य कराया जाए, ताकि भविष्य में श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। गनीमत यह रही कि घटना के समय मंदिर परिसर में कोई मौजूद नहीं था, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। लेकिन प्राचीन धार्मिक धरोहर को हुए नुकसान से ग्रामीणों में चिंता का माहौल है। लोग चाहते हैं कि मंदिर की मरम्मत जल्द कराई जाए और इसे सुरक्षित संरक्षित किया जाए।

सड़क किनारे मिला युवक का शव, चेहरे पर चोट के निशान से गहराया रहस्य

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। अछनेरा थाना क्षेत्र में शनिवार को सड़क किनारे एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त कराई तो उसकी पहचान व्यारा गांव निवासी युवक के रूप में हुई। मृतक के चेहरे पर चोट के निशान मिलने से मौत को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार सुबह स्थानीय लोगों ने सड़क किनारे एक युवक का शव पड़ा देखा। शव दिखाई देते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर अछनेरा पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच के दौरान मृतक के चेहरे पर चोट के निशान पाए गए, जिससे मामला और अधिक रहस्यमय हो गया।

अछनेरा क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, हत्या या हादसा हर पहलू पर जांच में जुटी पुलिस

व्यारा गांव के जय सिंह के रूप में हुई पहचान

पुलिस की जांच के दौरान मृतक की पहचान व्यारा गांव निवासी जय सिंह के रूप में हुई। पहचान होने के बाद परिजनों को सूचना दी गई। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और गांव में शोक का माहौल फैल गया। परिजन और ग्रामीण युवक की मौत को लेकर तरह-तरह की आशंकाएं जता रहे हैं। वहीं पुलिस भी किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रही है। पुलिस को घटनास्थल से कुछ महत्वपूर्ण सामान भी बरामद हुआ है। इनमें एक मोबाइल सिम, चाबी और एक गेट पास शामिल बताया जा रहा है। पुलिस इन वस्तुओं को जांच के महत्वपूर्ण सुराग के रूप में देख रही है और इनके आधार पर युवक की अंतिम गतिविधियों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

हत्या, हादसा या कोई और वजह?

युवक के चेहरे पर मिले चोट के निशानों ने मामले को और उलझा दिया है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि मौत किसी सड़क दुर्घटना का परिणाम है, किसी आपराधिक वारदात का हिस्सा है या फिर इसके पीछे कोई अन्य कारण है। अधिकारियों का कहना है कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। साथ ही मृतक के परिजनों और परिचितों से पूछताछ कर उसकी गतिविधियों की जानकारी जुटाई जा रही है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलेगा राज

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों का मानना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों को लेकर स्थिति काफी हद तक स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है और किसी भी संभावना को नजरअंदाज नहीं किया जा रहा है। अछनेरा क्षेत्र में सड़क किनारे युवक का शव मिलने की घटना पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है। लोग यह जानने को उत्सुक हैं कि आखिर जय सिंह की मौत के पीछे की असली वजह क्या है।

सोशल मीडिया पर तमंचों के साथ नाबालिगों का वीडियो वायरल, कानून-व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

16 से 18 वर्ष के किशोरों के हाथों में दिखे कई अवैध हथियार, पुलिस ने शुरू की जांच

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। वीडियो में 16 से 18 वर्ष आयु वर्ग के कुछ किशोर कथित तौर पर अवैध हथियारों के साथ नजर आ रहे हैं। वीडियो में युवकों द्वारा एक साथ कई तमंचों का प्रदर्शन करते हुए रंगबाजी दिखाई गई है, जिसके बाद कानून-व्यवस्था और अवैध हथियारों की उपलब्धता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। वायरल वीडियो में कुछ किशोर हाथों में चार-चार हथियार लिए हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तेजी से साझा किया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर दबंगई दिखाने और लाइक-फॉलोअर्स बढ़ाने की होड़ में युवाओं द्वारा हथियारों के साथ वीडियो बनाने का चलन बढ़ा है, जो समाज और विशेष रूप से युवा पीढ़ी के लिए चिंताजनक संकेत है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि नाबालिग या किशोर आयु के युवकों तक अवैध हथियार आखिर पहुंच कैसे रहे हैं। यदि वीडियो में दिखाई दे रहे हथियार वास्तविक हैं तो इसके पीछे सक्रिय अवैध हथियार तस्करी नेटवर्क की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। ऐसे में हथियार उपलब्ध कराने वाले लोगों की पहचान और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग भी उठने लगी है। वायरल वीडियो सामने आने के बाद पुलिस भी सतर्क हो गई है। सूत्रों के अनुसार वीडियो की सत्यता, उसमें दिखाई दे रहे युवकों की पहचान तथा हथियारों की वास्तविकता की जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वीडियो कब और कहां बनाया गया तथा उसमें दिख रहे हथियार लाइसेंसी हैं या अवैध। क्षेत्र के जागरूक नागरिकों का कहना है कि सोशल मीडिया पर हथियारों का खुला प्रदर्शन युवाओं में गलत संदेश दे रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के वीडियो अपराध को बढ़ावा देने के साथ-साथ अन्य युवाओं को भी प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए केवल वीडियो बनाने वालों के खिलाफ ही नहीं, बल्कि अवैध हथियार उपलब्ध कराने वाले पूरे नेटवर्क पर कार्रवाई आवश्यक है। फिलहाल वायरल वीडियो चर्चा का विषय बना हुआ है और लोगों की निगाहें पुलिस जांच पर टिकी हैं। यदि वीडियो में दिख रहे हथियार अवैध पाए जाते हैं तो संबंधित युवकों के साथ-साथ हथियार उपलब्ध कराने वालों पर भी कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और तथ्य सामने आने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

आगरा ग्वालियर एक्सप्रेसवे में सर्किल रेट के विवाद को लेकर किसानों के साथ बैठक

मोर्निंग सिटी संवाददाता

फतेहाबाद। आगरा से ग्वालियर को बनने वाले एक्सप्रेसवे में किसानों से जमीन अधिग्रहण के गतिरोध को लेकर अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने पीड़ित किसानों के साथ की बैठक। बताते चलें कि आगरा से ग्वालियर के लिए एक्सप्रेस वे बनाया जा रहा है जिसमें फतेहाबाद तहसील के करौंधना, इनायतपुर ,फूलपुर ,नगला पाटम, लुहेटा,तोर गांव के किसानों की जमीन का अधिग्रहण किया जा रहा है जिसमें इन गांवों के किसानों के द्वारा सर्किल रेट कम होने को लेकर विरोध किया जा रहा है। जिसको लेकर शनिवार को अपर जिलाधिकारी प्रशासन आजाद भगत सिंह के द्वारा संबंधित किसानों के साथ बैठक की और कहा है के सर्किल रेट को लेकर किसान आर्बिट्रेशन में गए हैं वहां से जो भी निर्णय होगा किसानों को उसी के अनुसार मुआवजा दिया जाएगा । अपर जिलाधिकारी प्रशासन आगरा आजाद भगत सिंह से बात करने पर बताया कि अधिग्रहण में सर्किल रेट को लेकर किसानों के साथ विवाद था जिसको लेकर संबंधित 5-6 गांव के किसानों के साथ बैठक हुई है जहां किसानों के द्वारा आर्बिट्रेशन में आपत्ति लगाई गई है जिसको लेकर किसानों से वार्ता हुई है जो भी आर्बिट्रेशन में निर्णय आएगा उसी के अनुसार किसानों को मुआवजा दिया जाएगा।

ताज की मोहब्बत में खोई टिफनी ट्रंप, एयरपोर्ट से सीधे पहुंचीं संगमरमर के शाहकार के दीदार को

नक्काशी और जड़ाऊ कला ने किया मंत्रमुग्ध, पूछा—इतना खूबसूरत मार्बल आखिर आया कहां से?

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। दुनिया के सात अजूबों में शामिल ताजमहल की बेमिसाल खूबसूरती ने शनिवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी टिफनी ट्रंप को भी अपना मुरीद बना* लिया। अपने पति माइकल बॉऊलोस के साथ निजी दौरे पर आगरा पहुंचीं टिफनी ने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम में बदलाव करते हुए होटल जाने के बजाय सीधे ताजमहल का रुख किया। करीब एक घंटे तक उन्होंने प्रेम की इस अमर निशानी को नजदीक से निहारा और इसकी अद्भुत वास्तुकला, संगमरमर की नक्काशी तथा जड़ाऊ कला के बारे में विस्तार से जानकारी ली। सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे टिफनी ट्रंप का चार्टर्ड विमान खेरिया हवाई अड्डे पर उतरा। एयरपोर्ट से निकलते ही उनका काफिला सीधे ताजमहल पहुंचा। गोल्फ कार्ट के जरिए उन्होंने स्मारक परिसर में प्रवेश किया। इस दौरान उन्होंने हाथ जोड़कर वहां मौजूद लोगों का अभिवादन किया। उनके साथ भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर भी मौजूद रहे।

ताज की बारीक कारीगरी ने खींचा ध्यान

ताजमहल के मुख्य परिसर में पहुंचते ही टिफनी इसकी भव्यता और स्थापत्य कला को देखकर प्रभावित नजर आईं। अधिकृत गाइड ने उन्हें स्मारक के निर्माण, इतिहास और उसमें प्रयुक्त संगमरमर व बहुमूल्य पत्थरों के बारे में जानकारी दी। इसी दौरान टिफनी ने जिज्ञासा जताते हुए पूछा कि ताजमहल में इस्तेमाल किया गया इतना सुंदर संगमरमर कहां से लाया गया था और इतनी बारीक नक्काशी आखिर किस तरह संभव हुई। गाइड ने बताया कि ताजमहल के निर्माण में राजस्थान के मकराना का संगमरमर इस्तेमाल किया गया था, जबकि जड़ाऊ कला में प्रयुक्त कई कीमती पत्थर भारत के अलावा अफ्रीका, यमन और अन्य देशों से मंगाए गए थे। यह जानकारी सुनकर टिफनी ने स्मारक की कलात्मकता और शिल्प कौशल की खुलकर सराहना की।

डायना बेंच पर बिताए यादगार पल

ताज भ्रमण के दौरान टिफनी और माइकल प्रसिद्ध डायना बेंच तक भी पहुंचे। यहां दोनों ने एक-दूसरे का हाथ थामकर कई तस्वीरें खिंचवाईं। उन्होंने अलग-अलग अंदाज में फोटोशूट कराया और अपने स्टाफ के साथ ग्रुप फोटो भी क्लिक करवाई। पर्यटकों की नजरें भी इस हाई-प्रोफाइल जोड़े पर टिकी रहीं। इस दौरान टिफनी नारंगी रंग की लंबी ड्रेस में बेहद आकर्षक नजर आईं, जबकि माइकल बॉऊलोस कैजुअल टी-शर्ट और ट्राउजर में दिखाई दिए। दोनों ने धूप से बचाव के लिए सनग्लासेस पहन रखे थे।

ताज से अमर विलास और फिर जैसलमेर की उड़ान

ताजमहल का भ्रमण पूरा करने के बाद टिफनी और माइकल आगरा के प्रतिष्ठित होटल द ओबराय अमर विलास पहुंचे। बताया जाता है कि जिस कमरे में उनकी व्यवस्था की गई थी, वहां से ताजमहल का मनोरम दृश्य साफ दिखाई देता है। होटल में लंच और कुछ समय विश्राम के बाद दोनों चार्टर्ड विमान से राजस्थान के जैसलमेर के लिए रवाना हो गए।

छह साल बाद फिर ताजनगरी पहुंचा ट्रंप परिवार का सदस्य

टिफनी ट्रंप के आगमन ने आगरा में पर्यटकों और स्थानीय लोगों के बीच खास उत्साह पैदा कर दिया। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2020 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी पत्नी मेलानिया ट्रंप, बेटी इवांका ट्रंप और दामाद जेरेड कुशनर के साथ ताजमहल का दीदार करने आए थे। करीब छह वर्ष बाद ट्रंप परिवार का कोई सदस्य फिर से ताजमहल पहुंचा है।

टिफनी ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी दूसरी पत्नी मार्ला मैपल्स की इकलौती बेटी हैं। उनका जन्म 13 अक्टूबर 1993 को फ्लोरिडा में हुआ था। उन्होंने कानून की पढ़ाई की है और वर्ष 2022 में लेबनानी मूल के उद्योगपति माइकल बॉऊलोस से विवाह किया था।

वर्ष 2025 में उनके बेटे एलेक्जेंडर ट्रंप बॉऊलोस का जन्म हुआ। टिफनी अपने पिता के चुनावी अभियानों में भी सक्रिय भूमिका निभाती रही हैं

और रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में भाषण देकर राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा बटोर चुकी हैं। ताजमहल की दीवारों पर उकेरी गई बेमिसाल कला, संगमरमर की चमक और प्रेम की इस ऐतिहासिक निशानी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि दुनिया के किसी भी कोने से आने वाला पर्यटक इसकी खूबसूरती के सामने ठहरकर मंत्रमुग्ध हुए बिना नहीं रह सकता। टिफनी ट्रंप का यह दौरा भी उसी आकर्षण और मोहब्बत की एक नई कहानी बन गया।

संविदा बिजली कर्मचारियों ने खोला मोर्चा, 1 जून से चरणबद्ध तरीके से आंदोलन का ऐलान

मोर्निंग सिटी संवाददाता

फतेहाबाद। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन निविदा एवं संविदा कर्मचारी संघ ने अपनी मांगों को लेकर प्रबंधन के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। संघ के प्रदेश संयुक्त मंत्री मोती सिंह ने शनिवार को अधीक्षण अभियंता फतेहाबाद को मांग पत्र सौंपकर 1 जून से पूरे प्रदेश में चरणबद्ध तरीके से आंदोलन की घोषणा की है। पत्र के माध्यम से कर्मचारियों का आरोप है कि कॉरपोरेशन प्रबंधन द्वारा आउटसोर्सिंग कर्मियों के साथ भेदभाव करते हुए वेतन अठारह हजार रुपये निर्धारित नहीं किया जा रहा है। साथ ही लगभग 25 हजार अनुभवी कर्मियों को सेवा से बाहर किया जा रहा है। 11 केवी फीडरों पर स्टाफ कम करके अकुशल श्रमिकों से जबरन जोखिम भरे काम कराए जा रहे हैं, जिससे आए दिन हादसे हो रहे हैं। संघ के प्रदेश संयुक्त मंत्री मोती सिंह ने बताया कि 1 जून को श्रद्धांजलि सभा, 2 जून से जनजागरण अभियान, 3 जून को जनप्रतिनिधियों के माध्यम से ज्ञापन और 5 जून को जिलाधिकारियों के माध्यम से मुख्यमंत्री को मांग पत्र भेजा जाएगा। समाधान न होने पर 24 जून से लखनऊ शक्ति भवन पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू होगा।

सड़क दुर्घटना में घायल युवक की मौत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

फतेहाबाद। थाना फतेहाबाद क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में घायल युवक ने इलाज के दौरान शनिवार को दम तोड़ा,पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम किए भेजा,घटना की जानकारी से परिवार में मचा कोहराम ।प्राप्त जानकारी के अनुसार कमल सिंह पुत्र सौदान सिंह उम्र 46 वर्ष निवासी ककरीली बेहडी विगत 26 मई को बाइक से जा रहे थे।तभी एक्सप्रेस वे सर्विस रोड पर प्रतापपुरा पुलिया के पास तेज रफ्तार ईको कार ने टक्कर मार दी थी। जिसमें कमल सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया था जिसका इलाज आगरा हॉस्पिटल में चल रहा था।शनिवार सुबह इलाज के दौरान कमल सिंह की मौत हो गई।सूचना पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।वहीं घटना की जानकारी से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

शिकायत करने पर दबंगो ने पीटा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

फतेहाबाद। कस्बा फतेहाबाद में शुक्रवार को वाटर पार्क में नहाते में हुई कहा सुनी को लेकर शनिवार सुबह दबंगों ने घर में घुसकर पीटा किशोरियों सहित चार घायल ,पुलिस ने घायलों को मेडिकल के लिए भेजा। प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहल्ला हनुमान नगर निवासी सायरा पत्नी भिक्कू ने बताया कि शुक्रवार को मेरी पुत्री फिजा, हूरवानो , रिश्तेदार सुनील निवासी खुडली थाना राजाखेड़ा के साथ कस्बा के एक वाटर पार्क में नहाने गए थे। आरोप है कि इसी दौरान मोहल्ले के ही एक युवक से कहासुनी हो गई तो मामला शुक्रवार को शांत हो गया था। वही शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे भतीजा आरिफ जा रहा था तभी उन्हीं लोगों ने कस्बा के आंबेडकर चौक पर रोक कर उसके साथ मारपीट की जिसकी जानकारी आरिफ ने आकर घर दी तो उन लोगों के घर पर शिकायत करने गए थे। आरोप है कि कुछ समय बाद उन्होंने हमारे घर पर आकर लाठी डंडों से हमला कर दिया इस दौरान मारपीट में सुनील, फिजा , हूरबानो ,सायरा घायल हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को मेडिकल के लिए भेज दिया है पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जमीन को लेकर दो पक्षों में मारपीट

मोर्निंग सिटी संवाददाता

फतेहाबाद। थाना फतेहाबाद के गांव नयापुरा में शनिवार सुबह जमीन को लेकर देवर भाभी को पीटा,एक घायल । नयापुरा थाना फतेहाबाद निवासी नवल देवी पत्नी केवल सिंह ने बताया कि घर के सामने हमारी जमीन है।शनिवार सुबह आठ बजे गांव के लोग उसकी नाम तोल कर रहे थे।तो मैंने कहा कि यह जमीन तो हमारी है।इसी बात को लेकर गाली गलौज करने लगे और मारपीट शुरू कर दी।तभी आवाज सुनकर मेरे देवर बलराम मुझे बचाने आए तो उनके साथ भी लाठी डंडों से मारपीट की।सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को मेडिकल लिए भेज दिया है।पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सड़क निर्माण विवाद में मारपीट, पुलिस ने दर्ज की क्रॉस एफआईआर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

बाह /आगरा। थाना पिढौरा क्षेत्र के गांव दलईपुरा में सड़क निर्माण कार्य के दौरान हुए विवाद ने मारपीट का रूप ले लिया। मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर क्रॉस एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पीड़ित नरायन सिंह पुत्र डम्बर सिंह निवासी दलईपुरा द्वारा थाना पिढौरा में दी गई तहरीर के अनुसार 9 मई 2026 को गांव दलईपुरा से बजरिया जाने वाली सड़क पर मिट्टी डालने का कार्य चल रहा था। इसी दौरान वह अपने खेत की मेड़ पर लकड़ी का खंभा गाड़कर तार लगा रहे थे। आरोप है कि तभी गांव के हरिमोहन, संतोष, देवेंद्र, शीला देवी, सुदामा, राखी तथा नरेंद्र वहां आ गए और गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों, सरिया, बल्लम और कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। तहरीर में कहा गया है कि हमले में नरायन सिंह, उनके भाई गोपालदास तथा राजवती पत्नी हवलदार घायल हो गए। शोर-शराबा होने पर पीड़ित पक्ष ने किसी तरह भागकर जान बचाई। आरोप है कि जाते समय आरोपित जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर क्रॉस एफआईआर दर्ज कर ली है। थाना पिढौरा पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है तथा जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

कच्चे रास्ते को लेकर मारपीट का वीडियो वायरल, युवक पर हमले का दावा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। सोशल मीडिया पर एक मारपीट का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे लेकर दावा किया जा रहा है कि यह थाना जगदीशपुरा क्षेत्र का है। वायरल वीडियो में कई लोग एक युवक के साथ मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद क्षेत्र में चचाओं का दौर शुरू हो गया है और मामले को लेकर पुलिस कार्रवाई की मांग उठने लगी है। वायरल वीडियो के साथ किए जा रहे दावों के अनुसार कच्चे रास्ते को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हुआ था, जो बाद में हिंसक झड़प में बदल गया। वीडियो में कुछ लोग एक युवक को घेरकर मारते हुए दिखाई दे रहे हैं। आसपास मौजूद लोग बीच-बचाव की कोशिश करते भी नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद लोग तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कुछ लोगों का दावा है कि रास्ते के विवाद को लेकर यह मारपीट हुई, जबकि कुछ लोग घटना की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। वीडियो में दिखाई दे रहे दृश्य काफी आक्रामक नजर आ रहे हैं, जिससे क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है। फिलहाल वायरल वीडियो की प्रामाणिकता, घटना की तारीख, स्थान और उससे जुड़े सभी तथ्यों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि वीडियो हाल का है या पुराना। इसलिए वीडियो में किए जा रहे दावों को जांच पूरी होने तक आधिकारिक रूप से प्रमाणित नहीं माना जा सकता।

भव्य महाराणा प्रताप शोभायात्रा के लिए जनसंपर्क अभियान तेज

मोर्निंग सिटी संवाददाता

टूंडला। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप शोभायात्रा समिति द्वारा आगामी 17 जून 2026 को आयोजित होने वाली भव्य शोभायात्रा के सफल आयोजन हेतु व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया गया। समिति के सदस्यों ने सुबह 8 बजे अभियान की शुरूआत करते हुए नगर के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर गणमान्य नागरिकों से भेंट की और उन्हें कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सादर निमंत्रण पत्र भेंट किए। इस दौरान समिति के सदस्यों ने नगला सिकंदर के समस्त निवासियों के साथ-साथ क्षेत्र के प्रमुख व्यक्तियों से संपर्क किया। जिनमें महाराज सूर्य प्रताप सिंह (सूरज भैया) लालपुर, पवन ठाकुर (भा.कि.यू - किसान) अवागढ़,दीपक चौहान अवागढ़, राजेंद्र सिंह राघव बोर्रा एवं ठाकुर विश्वदीप सिंह पचवान प्रमुख रूप से शामिल रहे।समिति ने सभी आमंत्रित महानुभावों से शोभायात्रा में सहभागिता कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने का आग्रह किया। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष शोभायात्रा को भव्य एवं ऐतिहासिक बनाने के लिए विशेष तैयारियां की जा रही हैं।समिति ने क्षेत्र के समस्त श्रद्धालुओं एवं नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

सीएम योगी के नेतृत्व में पीड़ित परिवार को मिली आर्थिक सहायता, मृतका की पुत्री को 4 लाख रुपये का चेक

मोर्निंग सिटी

माती (कानपुर देहात)। विकास खंड अकबरपुर क्षेत्र के ग्राम पतरा सड़वा में गत 26 मई 2025 को झोपड़ी में अचानक आग लगने से हुई दुखद घटना में मृतका पारुल (26) पत्नी अजय के परिजनों को प्रदेश सरकार की ओर से आर्थिक सहायता प्रदान की गई। शासन की संवेदनशील पहल के तहत मृतका की पुत्री अनन्या के नाम 4 लाख रुपये की राहत राशि का चेक सौंपा गया। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ने बताया कि जिलाधिकारी कपिल सिंह के निर्देशन में पीड़ित परिवार को शासन द्वारा अनुमन्य राहत सहायता उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार आपदा प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए तत्परता से कार्य कर रही है। इस क्रम में प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने पीड़ित परिवार के घर पहुंचकर शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात की और अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने परिवार को ढांढस बंधाते हुए कहा कि इस कठिन समय में प्रदेश सरकार पूरी मजबूती के साथ उनके साथ खड़ी है। मंत्री ने मृतका की पुत्री अनन्या के नाम 4 लाख रुपये की राहत सहायता का चेक प्रदान किया। इस दौरान परिजनों ने सरकार और जिला प्रशासन द्वारा दी गई सहायता के लिए आभार व्यक्त किया। जिला प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि पीड़ित परिवार को पात्रता के अनुसार शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि उन्हें भविष्य में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

प्लॉट की बाउंड्री तोड़ने और धमकी देने का आरोप, पुलिस से कार्रवाई की मांग

मोर्निंग सिटी

राजपुर (कानपुर देहात), 30 मई। सिकंदरा थाना क्षेत्र के रजौली गांव निवासी एक व्यक्ति ने अपने प्लॉट की बाउंड्री तोड़े जाने और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित लालजीत ने शनिवार को सिकंदरा थाने में तहरीर देकर बताया कि उन्होंने वर्ष 2014 में दर्ज खातेदार मिर्जा फरहत अली से एक प्लॉट क्रय किया था, जिस पर वह लगातार कब्जे में हैं। वर्तमान में वह उक्त भूमि पर निर्माण कार्य करा रहे थे तथा प्लॉट के चारों ओर करीब आठ फीट ऊंची बाउंड्रीवाल का निर्माण कराया गया था। तहरीर के अनुसार शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे कुछ लोग जेसीबी मशीन लेकर मौके पर पहुंचे और निर्मित बाउंड्रीवाल को गिरा दिया। घटना की जानकारी मिलने पर जब वह मौके पर पहुंचे तो बाउंड्री पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी थी। पीड़ित ने आरोप लगाया कि मौके पर मौजूद लोगों के पास अवैध असलहे और हॉकी भी थीं। विरोध करने पर उनके साथ अभद्रता की गई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। उन्होंने मामले में हुए नुकसान की भरपाई कराने और दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की है। सिकंदरा पुलिस ने तहरीर प्राप्त होने की पुष्टि करते हुए बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

जनपद में हर्षोल्लास और सौहार्द के साथ मनाया गया ईद-उल-अजहा का पर्व

मोर्निंग सिटी

राजपुर (कानपुर देहात), 30 मई। जनपद के राजपुर, सट्टी, अफसरिया, जल्लापुर सिकंदरा, अमरौधा, भोगनीपुर, मूसानगर, बरौर, सिकंदरा, रसधान सहित विभिन्न क्षेत्रों में ईद-उल-अजहा (बकरीद) का पर्व श्रद्धा, उल्लास और आपसी भाईचारे के साथ मनाया गया। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मस्जिदों और ईदगाहों में विशेष नमाज अदा कर देश में अमन, शांति, खुशहाली और भाईचारे की दुआ मांगी। कस्बा राजपुर स्थित ईदगाह में मौलाना अनीसुर्रहमान ने ईद की नमाज अदा कराई। वहीं पुरानी जामा मस्जिद में मौलाना नियामत उल्ला तथा नूरी जामा मस्जिद में मौलाना सैय्यद अजमत अली ने नमाज संपन्न कराई। नमाज के बाद मुस्लिम समाज के लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। इस अवसर पर मौलाना अनीसुर्रहमान ने अपने संबोधन में कहा कि ईद-उल-अजहा का पर्व त्याग, समर्पण और भाईचारे का संदेश देता है। यह त्योहार लोगों के बीच प्रेम और सौहार्द को मजबूत करने का अवसर प्रदान करता है। वहीं नूरी जामा मस्जिद के पेश इमाम मौलाना सैय्यद अजमत अली ने कहा कि यह पर्व कुबार्नी और मानव सेवा की भावना का प्रतीक है, जो जरूरतमंदों की सहायता के लिए प्रेरित करता है। पर्व के दौरान बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। उन्होंने सेवइयों और अन्य पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लिया। क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर लोगों ने एक-दूसरे के घर पहुंचकर ईद की शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रीय पंचायतीराज प्रधान संगठन के प्रदेश महासचिव दिनेश मिश्रा ने मुस्लिम समुदाय को ईद-उल-अजहा की बधाई देते हुए कहा कि सभी त्योहार आपसी प्रेम, सद्भाव और सामाजिक एकता को मजबूत करते हैं। उन्होंने लोगों से मिल-जुलकर त्योहार मनाने की अपील की। त्योहार को सकुशल संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। ईदगाहों और प्रमुख मस्जिदों पर सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए थे। इस दौरान नगर पंचायत राजपुर की अधिशासी अधिकारी नीति त्रिपाठी, थानाध्यक्ष सनत कुमार, कस्बा इंचार्ज गुरेंद्र प्रताप तथा वरिष्ठ लिपिक राजेश बाथम ने भी लोगों को ईद की शुभकामनाएं दीं।

बीएसएनएल नेटवर्क की खराब स्थिति से उपभोक्ता परेशान

मोर्निंग सिटी

अहेरीपुर (इटावा), 30 मईः अहेरीपुर कस्बा और आसपास के क्षेत्रों में बीएसएनएल नेटवर्क की खराब स्थिति से उपभोक्ता परेशान हैं। सस्ते रिचार्ज प्लान और बेहतर सुविधाओं के दावों के बावजूद नेटवर्क की समस्या लगातार बनी हुई है, जिससे उपभोक्ताओं में नाराजगी बढ़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अन्य निजी कंपनियों की तुलना में बीएसएनएल का रिचार्ज अपेक्षाकृत सस्ता है और प्रतिदिन पर्याप्त डाटा भी उपलब्ध कराया जाता है। यही वजह है कि क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोग बीएसएनएल की सेवाओं का उपयोग कर रहे हैं। हालांकि, उपभोक्ताओं का आरोप है कि नेटवर्क अक्सर घंटों तक गायब रहता है और इंटरनेट की गति 4जी होने के बावजूद 2जी जैसी महसूस होती है। कई बार बातचीत के दौरान ही सिग्नल अचानक समाप्त हो जाते हैं, जिससे लोगों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ता है। टावर होने के बावजूद समस्याः स्थानीय नागरिकों के अनुसार अहेरीपुर से करीब तीन किलोमीटर दूरी पर महेवा और निवाड़ी कलां में बीएसएनएल के टावर स्थापित हैं, इसके बावजूद कस्बे में नेटवर्क की समस्या बनी हुई है। लोगों का कहना है कि इतनी कम दूरी के बावजूद नेटवर्क कवरेज संतोषजनक नहीं है। उपभोक्ताओं की मांगः कस्बावासियों ने बीएसएनएल प्रबंधन से नेटवर्क व्यवस्था में शीघ्र सुधार की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे अपने मोबाइल नंबर अन्य कंपनियों में पोर्ट कराने को मजबूर होंगे। अन्य जानकारीः क्षेत्र के लोगों का कहना है कि कस्बे में अन्य कंपनियों के टावर बेहतर सेवाएं दे रहे हैं, जबकि बीएसएनएल उपभोक्ताओं को लगातार नेटवर्क और इंटरनेट संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उपभोक्ताओं ने विभागीय अधिकारियों से इस समस्या के स्थायी समाधान की मांग की है।

भीषण आंधी-तूफान से महोबा में तबाही, मकानों पर गिरा विशाल नीम का पेड़, स्कॉर्पियो क्षतिग्रस्त

मोर्निंग सिटी

महोबा। जिले में गुरुवार देर रात आए तेज आंधी-तूफान और बारिश ने भारी तबाही मचाई। कबरई थाना क्षेत्र के बघवा खोडा गांव में एक विशाल नीम का पेड़ उखड़कर कई मकानों पर गिर गया, जिससे एक कच्चा मकान पूरी तरह ध्वस्त हो गया, जबकि अन्य मकानों को भी गंभीर नुकसान पहुंचा। हादसे में एक स्कॉर्पियो वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गया। राहत की बात यह रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। जानकारी के अनुसार, रात करीब 12 बजे अचानक आए तेज तूफान के दौरान गांव का एक पुराना और विशाल नीम का पेड़ टूटकर ग्रामीण बेटू श्रीवास और शिवचरण के मकानों पर जा गिरा। पेड़ गिरने से शिवचरण का कच्चा मकान पूरी तरह जमींदोज हो गया, जबकि दूसरे मकान की दीवारों और छत में गहरी दरारें पड़ गईं। घर में रखा घरेलू सामान भी मलबे में दबकर नष्ट हो गया। हादसे में मकान के बाहर खड़ी एक स्कॉर्पियो गाड़ी भी पेड़ की चपेट में आ गई, जिससे वाहन को भारी नुकसान पहुंचा। पीड़ित शिवचरण ने बताया कि घटना के समय वह पत्नी और बच्चों के साथ घर में मौजूद थे। अचानक तेज आवाज के साथ पेड़ गिरने से अफरा-तफरी मच गई, लेकिन परिवार के सदस्य दूसरे कमरे में होने के कारण सुरक्षित बच गए। इसी दौरान ग्रामीण रामनरेश के मकान पर भी पेड़ की शाखाएं गिरने से दीवार क्षतिग्रस्त हो गई और मकान में दरारें पड़ गईं। पीड़ित परिवारों ने प्रशासन से आर्थिक सहायता की मांग की है। घटना की सूचना मिलने पर राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची और नुकसान का आकलन किया। ग्रामीणों का कहना है कि प्रभावित परिवारों को भारी आर्थिक क्षति हुई है और उनके सामने आवास एवं दैनिक जरूरतों का संकट खड़ा हो गया है।

गो रक्षार्थ धर्म युद्ध यात्रा लेकर महोबा पहुंचे शंकराचार्य, सरकार पर साधा निशाना

मोर्निंग सिटी

महोबा। गो रक्षार्थ धर्म युद्ध यात्रा के तहत महोबा पहुंचे ज्योतिषपीठाधीश्वर एवं द्वारका शारदा पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने गौ संरक्षण के मुद्दे पर केंद्र और राज्य सरकारों पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने वाले लोग गौ रक्षा की बात तो करते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर गायों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। वीर आल्हा-ऊदल की ऐतिहासिक धरती महोबा पहुंचे शंकराचार्य ने सबसे पहले मां बड़ी चंद्रिका देवी मंदिर और कट्टेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन-पूजन किया। इसके बाद उनका काफिला चरखारी क्षेत्र स्थित प्राचीन बटुकनाथ भैरव मंदिर पहुंचा, जहां सनातन धर्मावलंबियों और गौ भक्तों ने पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उन्होंने उपस्थित लोगों को गौ रक्षा और सनातन मूल्यों के संरक्षण का संकल्प दिलाया। पत्रकारों से बातचीत में शंकराचार्य ने कहा कि उनकी धर्म यात्रा 3 मई को गोरखपुर से शुरू हुई थी और अब तक 125 विधानसभा क्षेत्रों का भ्रमण किया जा चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि गौ रक्षा के नाम पर राजनीति करने वाले लोग ही आज गौवंश की दुर्दशा के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि "जो लोग हमारा वोट लेकर सत्ता में आए, वही आज गौ माता को बेच रहे हैं।" शंकराचार्य ने कहा कि भारत की पहचान विश्व गुरु के रूप में रही है, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों को लेकर उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि देश अपनी मूल सांस्कृतिक दिशा से भटकता दिखाई दे रहा है।

आयुष आपके द्वार शिविर में 106 मरीजों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

मोर्निंग सिटी

जसवंतनगर (इटावा), 30 मई। शासन के निदेर्शानुसार राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय नगला रामसुन्दर द्वारा ग्राम नगला रामसुन्दर में "आयुष आपके द्वार" शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्राप्त किया। शिविर का संचालन चिकित्सा अधिकारी डॉ. नन्दिनी गुप्ता के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधानाध्यापक आलोक चौहान ने किया। इस दौरान डॉ. नन्दिनी गुप्ता ने कुल 106 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक चिकित्सीय परामर्श प्रदान किया तथा निःशुल्क औषधियों का वितरण किया। शिविर में उदर रोग, हृदय विकार, त्वचा संबंधी समस्याओं एवं संधिशूल से पीड़ित मरीजों का उपचार किया गया। साथ ही ग्रामीणों को ग्रीष्म ऋतु में स्वस्थ रहने के लिए उचित आहार-विहार अपनाने तथा मौसमी बीमारियों से बचाव संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां भी दी गईं। डॉ. गुप्ता ने बताया कि आयुष विभाग का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचाना तथा लोगों को आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने ग्रामीणों से नियमित दिनचर्या एवं संतुलित आहार अपनाने की अपील की। शिविर के सफल आयोजन में भृत्य सत्यप्रकाश, योग प्रशिक्षक अनुज तथा सहायक डोली का विशेष सहयोग रहा।

पंचतत्व हरिहर महायज्ञ में श्रद्धालुओं ने दी आहुति

मोर्निंग सिटी

भरथना (इटावा), 30 मई। ॐ श्री पागल बाबा गंगासागर धाम, भरथना में आयोजित पंचतत्व हरिहर महायज्ञ में श्रद्धालुओं की आस्था उमड़ रही है। मंगलवार को वैदिक मंत्रोच्चार एवं धार्मिक अनुष्ठानों के बीच श्रद्धालुओं ने यज्ञ में आहुति देकर पुण्य लाभ अर्जित किया। महायज्ञ के मुख्य आचार्य पंडित आशु शुक्ला ने बताया कि मंगलवार प्रातःकाल संपन्न हुए यज्ञ अनुष्ठान में राममोहन गुप्ता, नंदकिशोर गुप्ता, हरिओम, भूरे शुक्ला, नरेश चंद तिवारी एवं राजकमल गुप्ता यजमान के रूप में शामिल हुए। वैदिक विधि-विधान से संपन्न हुए धार्मिक अनुष्ठान में श्रद्धालुओं ने परिवार की सुख-समृद्धि एवं लोककल्याण की कामना करते हुए आहुतियां अर्पित कीं। महायज्ञ के दौरान धाम परिसर में पूरे दिन भक्तिमय वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर धर्मलाभ प्राप्त किया तथा संत-महात्माओं का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर सर्व सेवा समिति के सदस्य अश्विनी पाठक, यीशु शाक्य, बंटू पाल, सुल्तान सिंह पाल, सूर्य प्रकाश त्रिपाठी एवं राजकिशोर यादव सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। आयोजन में शामिल भक्तों ने धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता कर आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया।

जन्मदिन की पार्टी में ट्रैक्टर चढ़ाने से युवक की मौत, आरोपी ने अगले दिन फांसी लगाकर दी जान

मोर्निंग सिटी

महोबा। जिले के कबरई थाना क्षेत्र के खरका गांव में पारिवारिक रंजिश ने ऐसा भयावह रूप ले लिया कि एक ही परिवार के दो लोगों की जान चली गई। भाई के यहां आयोजित जन्मदिन समारोह में उमड़ी भीड़ और नाच-गाना देखकर नाराज हुए व्यक्ति ने कथित रूप से ट्रैक्टर चढ़ाकर हमला कर दिया, जिससे उसके चचेरे भाई की मौत हो गई और एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना के बाद आरोपी ने भी आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार गांव निवासी मुन्ना प्रजापति के घर उनकी तीन वर्षीय पोती के जन्मदिन का कार्यक्रम चल रहा था। डीजे की धुन पर परिवार और ग्रामीण खुशी से झूम रहे थे। इसी दौरान मुन्ना के चचेरे भाई 45 वर्षीय मंगल प्रजापति भी समारोह में शामिल होकर नृत्य कर रहे थे। बताया गया कि दूसरी ओर मुन्ना के सगे भाई विश्वमूर्ति उर्फ बाबा के घर भी बेटी की शादी के बाद का एक कार्यक्रम आयोजित था, लेकिन वहां अपेक्षित संख्या में लोग नहीं पहुंचे। ग्रामीणों के अनुसार, पारिवारिक मतभेदों के चलते अधिकांश लोग विश्वमूर्ति से दूरी बनाए हुए थे। इसी बात से नाराज होकर वह कथित रूप से ट्रैक्टर लेकर जन्मदिन समारोह में पहुंच गया और वहां मौजूद लोगों पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया। अचानक हुए इस हमले से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। लोग जान बचाने के लिए भागने लगे, लेकिन मंगल प्रजापति और मुन्ना का पुत्र संजू प्रजापति ट्रैक्टर की चपेट में आ गए। दोनों को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मंगल प्रजापति को मृत घोषित कर दिया। वहीं संजू के पैर में गंभीर चोट आई है और उसका उपचार जारी है। परिजनों के अनुसार, घटना के बाद आरोपी विश्वमूर्ति मौके से फरार हो गया। अगले दिन उसका शव गांव के बाहर खेत में एक पेड़ से लटका मिला। पुलिस का मानना है कि उसने आत्महत्या की है।

कबरई थाना पुलिस के मुताबिक, घटना की सूचना पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई थी। बाद में आरोपी की आत्महत्या की जानकारी मिली। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की विधिक कार्रवाई की जा रही है। एक ही परिवार के दो चचेरे भाइयों की मौत से पूरे गांव में शोक और सन्नाटा पसरा हुआ है। परिजन घटना से स्तब्ध हैं और न्याय की मांग कर रहे हैं।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को सुरक्षा और कानूनी अधिकारों की दी गई जानकारी

मोर्निंग सिटी

माती (कानपुर देहात), 30 मई। मिशन शक्ति फेज-5 के द्वितीय चरण के तहत शनिवार को जनपद भर में महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय के निर्देशन में जनपदीय थाना पुलिस ने बाजारों, सार्वजनिक स्थलों तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पहुंचकर महिलाओ और बालिकाओं को उनके अधिकारों एवं सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक किया। अभियान के दौरान पुलिसकर्मियों ने महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सुरक्षा से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। इनमें 181 महिला हेल्पलाइन, 1090 महिला शक्ति लाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 112 आपातकालीन सेवा तथा 1076 पुलिस कंट्रोल रूम प्रमुख रहे। साथ ही यूपीकॉप (UPCOP) ऐप के माध्यम से उपलब्ध पुलिस सेवाओं के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई। पुलिस टीमों ने सोशल मीडिया और इंटरनेट के माध्यम से होने वाले साइबर अपराधों जैसे फिशिंग, साइबर स्टॉकिंग, फर्जी प्रोफाइल और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के उपायों पर भी विस्तार से जानकारी दी। महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों के संबंध में जागरूक करते हुए पॉक्सो एक्ट, दहेज निषेध अधिनियम, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के महत्वपूर्ण प्रावधानों से अवगत कराया गया।

प्रधानों का कार्यकाल छह माह बढ़ने पर खुशी, प्रदेश महासचिव का किया स्वागत

मोर्निंग सिटी

राजपुर (कानपुर देहात), 30 मई। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा ग्राम प्रधानों का कार्यकाल छह माह बढ़ाए जाने के निर्णय से प्रधानों में खुशी का माहौल है। राजपुर ब्लॉक में प्रधान संगठन के पदाधिकारियों एवं ग्राम प्रधानों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए पंचायती राज प्रधान संगठन के प्रदेश महासचिव दिनेश चंद्र मिश्र का जोरदार अभिनंदन किया। शिव धाम वाटिका में आयोजित कार्यक्रम में पंचायती राज प्रधान संगठन के जिला अध्यक्ष अरविंद कुमार दीक्षित एवं ब्लॉक अध्यक्ष रामबली सिंह के नेतृत्व में प्रधानों ने प्रदेश महासचिव दिनेश चंद्र मिश्र को फूल-मालाएं पहनाकर सम्मानित किया तथा मिठाई खिलाकर खुशी व्यक्त की। इस अवसर पर दिनेश चंद्र मिश्र ने बताया कि ग्राम प्रधानों का कार्यकाल 26 मई को समाप्त हो रहा था। इसे देखते हुए पंचायती राज प्रधान संगठन के प्रदेश अध्यक्ष कौशल किशोर पांडेय के निर्देशन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर समय से पंचायत चुनाव कराने अथवा कार्यकाल बढ़ाने की मांग की गई थी। सरकार ने इस मांग पर सकारात्मक निर्णय लेते हुए प्रधानों का कार्यकाल छह माह के लिए बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि यह पहली बार है जब प्रदेश सरकार ने ग्राम प्रधानों को ही प्रशासक का दायित्व सौंपा है। इससे पहले यह जिम्मेदारी एडीओ पंचायत अथवा बीडीओ को दी जाती थी। सरकार के इस निर्णय से राजपुर ब्लॉक की 56 ग्राम पंचायतों के प्रधानों में विशेष उत्साह है। प्रदेश महासचिव ने कहा कि ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों की निरंतरता बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। कार्यकाल बढ़ने से ग्रामीण विकास योजनाओं को गति मिलेगी और अधूरे कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा किया जा सकेगा। कार्यक्रम में पंचायती राज प्रधान संगठन के जिला महासचिव एवं रमऊ ग्राम प्रधान सैयद जमाल अहमद, जल्लापुर सिकंदरा के प्रधान सतीश कुमार सहित क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों के दर्जनों प्रधान उपस्थित रहे।

शॉर्ट सर्किट से आरओ प्लांट में लगी आग, लाखों का सामान जलकर राख

मोर्निंग सिटी

राजपुर (कानपुर देहात), 30 मई। थाना सट्टी क्षेत्र के शाहजहांपुर में स्थित एक आरओ प्लांट में शॉर्ट सर्किट से अचानक आग लगने से लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया।

घटना की सूचना मिलने पर प्लांट मालिक मौके पर पहुंचा और पुलिस को सूचना देकर मामले की शिकायत दर्ज कराई। जानकारी के अनुसार विकास खंड अमरौधा क्षेत्र के किशुनपुर गांव निवासी अमित पाल पुत्र सियाराम पाल का पानी शुद्धिकरण (आरओ) प्लांट शाहजहांपुर में प्रताप ढाबा के सामने संचालित है। पीड़ित के अनुसार बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण प्लांट में अचानक आग लग गई, जिससे मशीनरी, विद्युत उपकरण सहित प्लांट में रखा अन्य सामान जलकर नष्ट हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर अमित पाल मौके पर पहुंचे और तत्काल पुलिस को सूचना दी। इसके बाद उन्होंने थाना सट्टी में लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पीड़ित ने बताया कि आग लगने से लगभग 10 से 11 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। थाना प्रभारी कालीचरण कुशवाहा ने बताया कि आरओ प्लांट में आग लगने की शिकायत प्राप्त हुई है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है तथा अन्य बिंदुओं पर जांच-पड़ताल की जा रही है। जांच के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

ब्रह्माणी देवी मंदिर के कुंड में डूबने से युवक की मौत

मोर्निंग सिटी

जसवंतनगर (इटावा), 30 मई। थाना बलरई क्षेत्र स्थित माता ब्रह्माणी देवी मंदिर के पीछे खारजाझाल कुंड में नहाते समय एक युवक की डूबने से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और गोताखोरों की टीम ने युवक को बाहर निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार बढ़पुरा थाना क्षेत्र के ग्राम पुरा रेवाड़ी निवासी अर्जुन (24) पुत्र स्वर्गीय सुभाष चंद्र अपने तीन मित्रों सौरभ कुमार, ललित कुमार और गोलू के साथ दो मोटरसाइकिलों से माता ब्रह्माणी देवी मंदिर दर्शन करने आया था। दर्शन से पूर्व चारों युवक मंदिर के पीछे स्थित खारजाझाल कुंड और झरना देखने पहुंचे। भीषण गर्मी के चलते सभी युवक कुंड में नहाने के लिए उतर गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार नहाने के दौरान अर्जुन अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। साथियों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी कृपाल सिंह एवं लखेरे कुआं चौकी प्रभारी जितेंद्र प्रताप सिंह पुलिस बल और गोताखोरों के साथ मौके पर पहुंच गए। काफी मशक्कत के बाद गोताखोरों की सहायता से युवक को कुंड से बाहर निकाला गया और तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जसवंतनगर ले जाया गया, जहां चिकित्सक डॉ. विकास अग्निहोत्री ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों के अनुसार अर्जुन के पिता का चार वर्ष पूर्व निधन हो चुका है। परिवार में उसकी मां मनचली देवी, पत्नी रचना, दो छोटे पुत्र शुभ्यांश (2 वर्ष) और सूर्यांश (1 वर्ष) तथा छोटा भाई अभिषेक हैं। अर्जुन खेती-किसानी कर परिवार का भरण-पोषण करता था। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है और गांव में शोक की लहर है।

जल्द ही बड़े पर्दे पर डांस का जलवा दिखाएंगे अहान

अहान पांडे की रोमांटिक ड्रामा हिट फिल्म 'सैयारा' के बाद से ही फैंस उनकी आगामी फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अहान जल्द ही पहली बार बड़े पर्दे पर एक अलग तरह के किरदार में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन अली अब्बास जफर करेंगे।

अहान पांडे ने अपनी पहली ही फिल्म 'सैयारा' से बॉलीवुड में एक रोमांटिक हीरो के रूप में अपनी खास पहचान बना ली है। आज की युवा पीढ़ी उनकी दीवानी हो चुकी है। इस फिल्म से पहले अहान का एक वेडिंग डांस वीडियो यूट्यूब पर काफी वायरल हुआ था, जिसे 46 मिलियन (4.6 करोड़) से ज्यादा बार देखा गया। इस वीडियो में वह अलाना पांडे की शादी में अनन्या पांडे के साथ 'सात समुंदर पार' और अकेले 'आई एम द बेस्ट' गाने पर नाचते हुए दिखे थे। फैंस को उम्मीद थी कि निर्देशक मोहित सूरी अपनी फिल्म 'सैयारा' में अहान का कोई डांस नंबर रखेंगे, लेकिन फिल्म की कहानी के कारण ऐसा नहीं हो सका। लेकिन अब फैंस की यह ख्वाहिश जल्द ही पूरी हो सकता है। अहान के फैंस का इंतजार अब खत्म होने वाला है। इस समय वे निर्देशक अली अब्बास जफर की एक रोमांटिक-एक्शन फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं, जिसमें उनके साथ अभिनेत्री शरवरी भी हैं। इस फिल्म में अहान का पहला ऑन-स्क्रीन डांस नंबर होने जा रहा है। इस गाने की शूटिंग यूके के मैनचेस्टर शहर में होगी। गाने को फिल्माने के लिए 4 दिनों का समय तय किया गया है। अहान इसमें पुराने दिग्गज सितारों की तरह क्लासिक बॉलीवुड अंदाज में नाचते और गाते हुए नजर आएंगे। अहान शूटिंग के बचे हुए दिनों में अपने डांस स्टेप्स को और बेहतर करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। यश राज फिल्म्स इस गाने के लिए देश के एक बड़े कोरियोग्राफर को चुनने की तैयारी में है। मेकर्स का मकसद एक ऐसा गाना बनाना है, जिसके डांस स्टेप्स हर कोई कॉपी करना चाहे और जो सोशल मीडिया पर वायरल हो जाए।

सोनाक्षी सिन्हा ने रिवर्स नेपोटिज्म पर की बात

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'सिस्टम' को लेकर चर्चाओ में हैं। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली है। यह एक कोर्टरूम ड्रामा फिल्म है, जिसमें सोनाक्षी एक वकील के किरदार में नजर आएंगी। सोनाक्षी ने इससे पहले फिल्म और अपने किरदार को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि इसमें रिवर्स नेपोटिज्म पर कमेंट भी है।

संघर्ष कर रही महिलाओं से प्रेरित है किरदार

सोनाक्षी ने फिल्म को लेकर कहा कि फिल्म में कई ऐसे मुद्दों को उठाया गया है, जिनके बारे में हम शायद सोचते भी नहीं। ये वास्तविक लोगों, वास्तविक घटनाओं और हमारे आसपास घटने वाली चीजों से प्रेरित है। कई जगहों पर फिल्म आपको सोचने पर मजबूर कर देती है। कोई भी फिल्म जो आपको सोचने पर मजबूर कर दे, वह अच्छी फिल्म होती है। अपने किरदार नेहा राजवंश को लेकर सोनाक्षी ने कहा कि वह अपने पेशे की वजह से नहीं बल्कि अपने व्यक्तित्व की वजह से लोगों से जुड़ाव महसूस कराता है। वह कई खामियों से भरी, बहुआयामी और अपनी गलतियों से जूझने वाली महिला है, जिसके अपने अंदरूनी संघर्ष हैं। ये सभी बातें मुझसे और निश्चित रूप से उन कई और महिलाओं से भी जुड़ी हुई हैं, जो खुद को साबित करने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन जिन्हें आसानी से सफलता नहीं मिलती।

फिल्म में सोनाक्षी का किरदार नेहा वकीलों के परिवार से आता है। उसके पिता देश के बड़े डिफेंस लॉयर में से एक हैं। लेकिन वो चाहते हैं कि उनकी बेटी फैमिली बिजनेस में शामिल होने से पहले एक वीकल के रूप में काम करके खुद को साबित करे। इस बात पर नेहा अपने पिता से पूछती है, 'यह किस तरह का रिवर्स नेपोटिज्म है?' फिल्म की इस लाइन और कहानी को लेकर सोनाक्षी ने कहा कि यह कहानी कुछ हद तक मेरी अपनी जिंदगी से मिलती-जुलती है। उन्होंने कहा कि सच कहूं तो मेरे साथ भी ऐसा ही हुआ है। मेरे पिता हमेशा मुझसे कहते रहे हैं, 'तुम्हें खुद को साबित करना होगा।' क्योंकि वो खुद भी ऐसे ही थे। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि तुम कौन हो; जीवन में आगे बढ़ने के लिए तुम्हें खुद को साबित करना होगा। इसी तरह तुम्हें वह मिलता है, जिसके तुम हकदार हो। इसलिए यह बात भी मेरे लिए बहुत मायने रखती है।

पैन-इंडिया की पीरियड ड्रामा फिल्म 'इंडिया हाउस' में नजर आएंगी सई मांजरेकर

अभिनेत्री सई मांजरेकर फिल्ममेकर महेश मांजरेकर की बेटी हैं और धीरे-धीरे इंडस्ट्री में अपना नाम बना रही हैं। सई का मानना है कि भले ही उनके पिता इंडस्ट्री का बड़ा नाम हैं, लेकिन आने वाले समय में केवल अनुशासन, काम के प्रति लगन और कड़ी मेहनत ही उनकी सफलता की पूंजी होगी। अपनी यात्रा को लेकर अभिनेत्री ने कहा, 'मैं हमेशा से अपने फिल्मी बैकग्राउंड के आराम से बाहर निकलकर अपनी खुद की पहचान बनाना चाहती थी। मेरे लिए, विकास लगातार सीखने, अपने काम के जरिए खुद को साबित करने और इन सबके बीच जमीन से जुड़े रहने से आता है।' अभिनेत्री ने आगे बताया कि हर किसी की यात्रा चुनौतियों के साथ आती है और उसकी तुलना करने के बजाय हमें अपने विकास पर ध्यान देना चाहिए। अभिनेत्री सई मांजरेकर बचपन से ही डांस के प्रति गहरी रुचि रखती थीं और अभिनय की दुनिया में आने से पहले उन्होंने अपने पिता की फिल्म 'अस्तित्व' (2018) में एक सहायक निर्देशक के रूप में भी काम किया था। इसके बाद साल 2019 में दबंग-3 में 'खुशी चौटाला' की भूमिका से बॉलीवुड में डेब्यू किया और अपनी पहली ही फिल्म से दर्शकों का ध्यान खींचा। अभिनेत्री जल्द ही पैन-इंडिया पीरियड ड्रामा फिल्म 'इंडिया हाउस' में नजर आएंगी। यह फिल्म 1905 के लंदन में स्वतंत्रता-पूर्व काल की वास्तविक घटनाओं पर आधारित एक पीरियड ड्रामा है, जो प्रेम और क्रांति की भावना को दर्शाती है, जिसकी शूटिंग हिंदी और तेलुगु दोनों भाषाओं में हुई है। सई मांजरेकर इसमें 'सती' नाम की लड़की का किरदार निभा रही हैं। उनका लुक काफी पारंपरिक है।

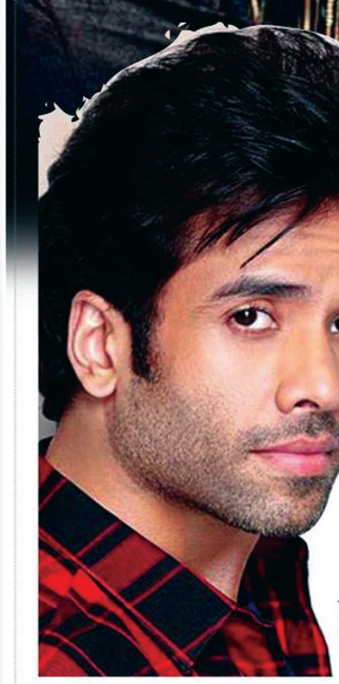

...क्या पिता जितेंद्र के साथ स्क्रीन शेयर नहीं करना चाहते तुषार कपूर

दिग्गज सितारों के बेटे जब अभिनय जगत में आते तो दर्शकों के मन में दोनों को पर्दे पर एक साथ देखने की ख्वाहिश भी आ जाती है। इंडस्ट्री में पिता-पुत्र की जोड़ी के कई ऐसे उदाहरण भी हैं, जब दोनों ने फिल्मों में साथ काम किया है। हालांकि, इसे लेकर अभिनेता तुषार कपूर थोड़ा अलग विचार रखते हैं। हाल ही में उन्होंने इसे लेकर चुप्पी तोड़ी। तुषार कपूर का मानना है कि बेहतर होगा कि वे और उनके पिता अपना रिश्ता ऑफ कैमरा ही बनाए रखें। बातचीत के दौरान तुषार कपूर ने इस बारे में बात की। इस दौरान अभिनेता ने अपने पिता जितेंद्र के साथ स्क्रीन शेयर करने के बारे में कहा, 'अगर मुझे अपने पिता के साथ काम करना पड़ा, तो मैं बहुत ज्यादा सचेत रहूंगा। मुझे लगता है कि बेहतर यही है कि हम अपने रिश्ते को कैमरे से दूर ही रखें'। तुषार कपूर ने और किरदार एक्सप्लोर करने की बात भी कही। उन्होंने कहा, 'मेरे आक्रामक, रफ एंड टफ साइड को और ज्यादा एक्सप्लोर किए जाने की जरूरत है। लोगों ने ज्यादातर मेरा फनी और सॉफ्ट साइड ही देखा है'।

क्या वेदांग की जिंदगी में प्यार की हुई दस्तक?

वेदांग रैना काफी समय से सिंगल हैं। खुशी कपूर से उनका ब्रेकअप हो चुका है। दोनों ने कभी ना अपने रिश्ते को स्वीकार किया था, ना ही कभी ब्रेक की घोषणा की। लेकिन उनके करीबी इस बात को स्वीकार कर चुके हैं कि दोनों का ब्रेक हो चुका है। अब वेदांग रैना को न्योमिका सरन के साथ देखा गया है। वायरल वीडियो में दोनों के बीच अच्छी केमिस्ट्री नजर आ रही थी। न्योमिका की बात करें तो वह अक्षय कुमार की रिश्तेदार हैं। न्योमिका अक्षय कुमार की साली रिंकी खन्ना की बेटी हैं। पिछले दिनों वह सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में रहीं, उनके लुक और स्टाइल को काफी पसंद किया गया।

फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में वेदांग आएंगे नजर

इम्तियाज अली निर्देशित फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' 12 जून 2026 को देश भर के सिनेमाघरों में रिलीज हो जाएगी। इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ, नसीरुद्दीन शाह, वेदांग रैना और शरवरी अहम किरदार निभा रहे हैं। इस फिल्म का संगीत एआर रहमान ने दिया है, गीत इरशाद कामिल ने लिखे हैं। फिल्म के हालिया रिलीज ट्रेलर की भी खूब चर्चा है, इसमें वेदांग की एक्टिंग को पसंद किया जा रहा है।

सोशल मीडिया के पागलपन पर रोक लगाना जरूरी

आहिस्ता-आहिस्ता ही सही पंजाबी फिल्मों की हीरोइन रही वामिका गब्बी ने बॉलिवुड में जगह बना ही ली। एक समय में छोटी-छोटी भूमिकाएं करने वाली वामिका ने मुख्यधारा की नायिका बनने के लिए लंबा इंतजार किया। ग्रहण जैसी वेब सीरीज से चमकी वामिका ने जुबली और खुफिया जैसे ओटीटी प्रोजेक्ट्स से अपनी जमीन पुख्ता की। आज उन्हें अक्षय कुमार, राजकुमार राव और आयुष्मान खुराना जैसे इंडस्ट्री के टॉप हीरोज की हीरोइन बनने का मौका मिल रहा है।

एक समय इंडस्ट्री से निराश होकर बोरिया -बिस्तर समेटने का मन बना चुकी वामिका अपने मुकाम को इंजॉय कर रही हैं। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी हालिया फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' से।

सोशल मीडिया के दौर में वामिका गब्बी को कभी तारीफ मिलती है, तो कई बार वे ट्रोल भी जाती हैं। हाल ही में वे उस वक्त ट्रोल हो गईं थीं, जब वे साथी कलाकार राजपाल यादव को तवज्जो नहीं दे पाई थी। सोशल मीडिया की ट्रोलिंग को लेकर वामिका दो टूक कहती हैं, 'मैं समझती हूं कि सोशल मीडिया पर निश्चित रूप से रेगुलेशन होनी चाहिए, क्योंकि यहां पर कोई भी मुंह उठाकर आता है और कुछ भी बोलकर चला जाता है। सोशल मीडिया पर कुछ भी बोलने की कोई अकाउंटेबिलिटी नहीं होती। एक तो सिर्फ एक्टर्स के वेरिफाइड अकाउंट होते हैं। मुझे लगता है हर किसी का वेरिफाइड अकाउंट होना चाहिए। सोशल मीडिया के इस पागलपन पर रोक लगनी जरूरी है। वरना लोग तो पहले से ही पागल हो रहे हैं।'

वामिका से जब पूछा जाता है कि उन्हें किस तरह के हज्बैंड की ख्वाहिश है? तो वे तपाक से हंसते हुए कहती हैं, 'ये आप कैसा सवाल पूछ रही हैं? इसका जवाब तो बहुत मुश्किल है। (सोचते हुए) मेरा होने वाला पति जानवरों से प्यार करने वाला हो। वो फ्रीडम में विश्वास रखे। उसमें बदलाव को स्वीकार करने का गुण हो। कई लोग खुद को बदलने में यकीन नहीं करते, तब बहुत मुश्किल आती है। देखिए, कंपैटिबिलिटी जरूरी है, मगर मेरे होने वाले जीवनसाथी में ये बातें बहुत जरूरी हैं। और भी पॉइंटस हैं, जिन्हें मैं जल्द ही फिगर आउट करूंगी।

कैट फाइट्स ही क्यों, डॉग फाइट्स भी तो होती हैं इंडस्ट्री में कैट फाइट्स जैसा टर्म बहुत मशहूर रहा है। इस पर उस वक्त और ज्यादा चर्चा होती है, जब एक फिल्म में कई एक्ट्रेसेस हों। वामिका की हालिया फिल्म में उनके साथ सारा अली खान के साथ - साथ रकुल प्रीत भी हैं। मगर वामिका कैट फाइट्स टर्म का बचाव करते हुए कहते हैं, 'कैट फाइट्स ही क्यों डॉग फाइट्स भी तो होती हैं। हर जगह हर तरह की फाइट्स होती हैं, ये तो निर्भर करता है कि आप किन लोगों के साथ काम कर रहे हैं। हमारी फिल्म की शूटिंग के दौरान हम सभी ने बहुत ही मजेदार वक्त बिताया। क्लाइमैक्स की शूटिंग के दौरान तो पूरी कास्ट साथ थी और शूटिंग की लोकेशन होटल से एक घंटे की दूरी पर थी, तो हम सभी एक साथ शूट पर जाया करते थे। पंजाबी म्यूजिक के साथ - साथ हम लोग खाना भी साथ खाते। हमने तो एक साथ जिमिंग और स्विमिंग भी की।'

मैं कॉमिडी जॉनर को एक्सप्लोर करना चाहती हूं

अब तक कई गंभीर भूमिकाएं कर चुकी वामिका कॉमिडी के बारे में कहती हैं, 'कॉमिडी करना आसान नहीं था, मगर इसे करते हुए मुझे बहुत मजा आया। मुझे लगा कि मुझे यही करना था। मैं तो इस जॉनर को एक्सप्लोर करना चाहती हूं। इस फिल्म की शूटिंग के दौरान भी मैं मुदस्सर सर (निर्देशक मुदस्सर अज़ीज़) के पास कई कॉमिक आइडियाज लेकर जाया करती थी। मेरे अंदर का कॉमिडी वाला जो जानवर है, उसे मुझे निकालने की बहुत जरूरत है। कॉमिक रोल को करते हुए लगा कि मैं इसमें बहुत कुछ कर सकती हूं। मैंने कॉमिडी को हद से ज्यादा इंजॉय किया। मैं मानती हूं कि एक्टिंग के क्राफ्ट में कॉमिडी सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण होती है, मगर एक बार आप जब इस दुनिया में प्रवेश करते हैं और उस हंसी के माहौल और किरदार की नस पकड़ लेते हैं, तो फिर आप उसके साथ आपको बहुत कुछ खेलने को मिलता है।

स्वामी मोर्निंग सिटी मल्टीमीडिया प्रा.लि. मुद्रक, प्रकाशक एवं प्रधान संपादक- सुशील कुमार सिंह (मोबाइल न. 8077588101), पुरराज प्रिंट एंड पैकिंग प्रा. लि., ई - 19 सेक्टर 6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से छपवाकर शॉप न. - 307, 308 एल्फा - 1 नीलकंठ प्लाजा, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित। (RNI No. UPHIN/2015/60949) (समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र गौतमबुद्धनगर होगा) प्रकाशक सामग्री या विज्ञापन में संपादक / प्रकाशक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इससे संबंधित किसी भी प्रकार की कार्यवाही या पूछताछ प्रकाशन तिथि से तीन माह के अंदर की सकती है। ई-मेल-morningcityinput@gmail.com।